हँसी खेल

(प्रथम भाग)

(प्रथम कक्षा)

(भाषा, गणित और परिवेश अध्ययन से सम्बन्धित पाठ्यपुस्तक और कार्यपुस्तक)

शिक्षक शिक्षा निदेशालय एवं
राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्
ओड़िशा, भुवनेश्वर

ओड़िशा विद्यालय शिक्षा कार्यक्रम
प्राधिकरण, भुवनेश्वर

हँसी खेल

(प्रथम भाग)

प्रथम कक्षा

संपादक मंडली :

डॉ. चक्रधर विश्वाल
श्री नीलमाधव परिछा
श्री प्रशान्त कुमार रथ
श्री प्रदोश कुमार मल्लिक

समीक्षक मंडली :

श्री नरेश चन्द्र पण्डा
श्री नीलमाधव परिछा
श्री सुवास चन्द्र मिश्र

संयोजना :

डॉ. प्रीतिलता जेना
डॉ. तिलोत्तमा सेनापति
डॉ. सबिता साहु

अनुवादक मंडली :

प्रो. राधाकान्त मिश्र - अनुवाद
प्रो. स्मरप्रिया मिश्र
डॉ. स्नेहलता दास
डॉ. लक्षीधर दाश - पुनरीक्षण
डॉ. अजित प्रसाद महापात्र

संयोजना :

डॉ. सबिता साहु

प्रकाशक :

विद्यालय और गणशिक्षा विभाग, ओड़िशा सरकार

मुद्रण वर्ष :

२०१६, २०१७

प्रस्तुति :

शिक्षक शिक्षा निदेशालय एवं राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद् ओड़िशा, भुवनेश्वर
ओड़शिा राज्य पाठ्य पुस्तक प्रणयन और प्रकाशन संस्था, भुबनेश्वर

मुद्रण :

पाठ्य पुस्तक उत्पादन और विक्रय, ओड़िशा, भुवनेश्वर

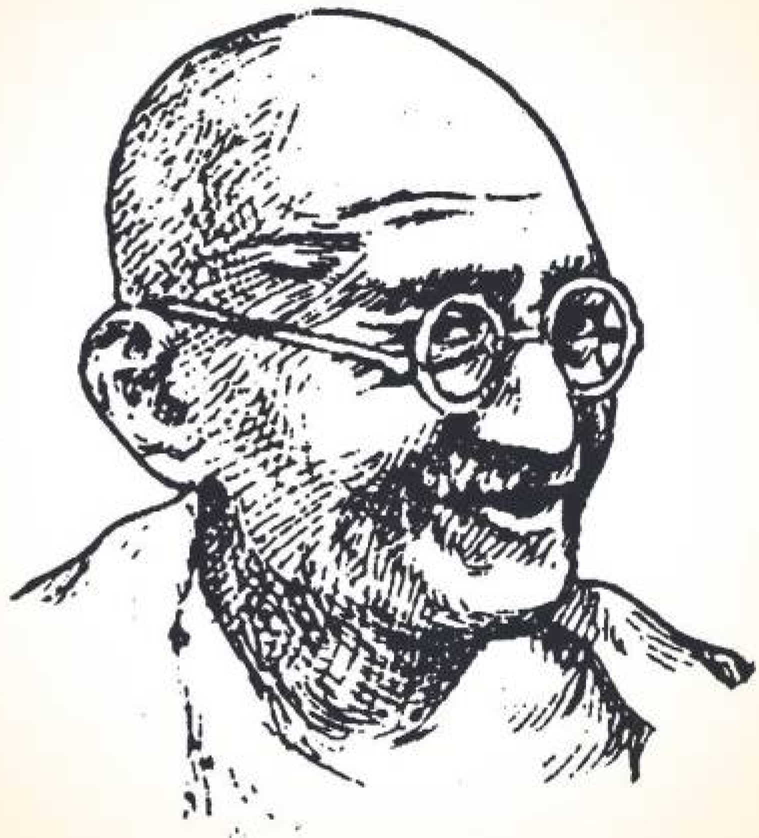

जगन्माता के चरणों में मैं जो-जो भेंट अबतक दे रहा हूँ, उनमें मौलिक शिक्षा ही सबसे ज्यादा क्रान्तिकारी और महत्वपूर्ण लगती है। इससे अधिक कोई महत्वपूर्ण और अनमोल भेंट मैं जगत् के सामने रख सकूँगा, ऐसा मुझे विश्वास नहीं हो रहा है। इसमें मेरे सारे रचनात्मक कार्यक्रमों के अनुप्रयोग करने की कुंजी है। जिस नई दुनिया के लिए मैं छटपटा रहा हूँ, उसका उद्भव इसीसे ही हो पाएगा। यह मेरी अन्तिम अभिलाषा है।

-महात्मा गान्धी

हमारा राष्ट्रीय संगीत

"जन-गण-मन-अधिनायक जय हे
भारत-भाग्य-विधाता
पंजाब-सिंधु- गुजुराट-मराठा
द्राबिड़ उत्कल बंग
बिंध्य-हिमाचल - यमुना-गंगा
उच्छल जलधि तरंग
तव शुभ नामे जागे
तव शुभ आशिष मागे
गाहे तव जय गाथा
जनगण-मंगल दायक जय हे,
भारत भाग्य विधाता,
जय हे जय हे जय हे,
जय जय जय जय हे ।"

सूचीपत्र

पाठ नं	विषय	पृष्ठ
१.	देखो और कहो	01
२.	मुन्ना और मुन्नी	04
३.	बकरी पानी से डरती है	11
४.	रज का झूला	19
५.	ठहाका	26
६.	बताओ तो देखें	32
७.	मुन्नी गई थी बाजार	39
८.	राजा की भोज	46
९.	सपनी नाना का सपना देखना	54
१०.	दीमक	63
११.	चीं चीं चीं चीं	72
१२.	दीपावली	79
१३.	चालाक मुर्गा	83

देखो और कहो

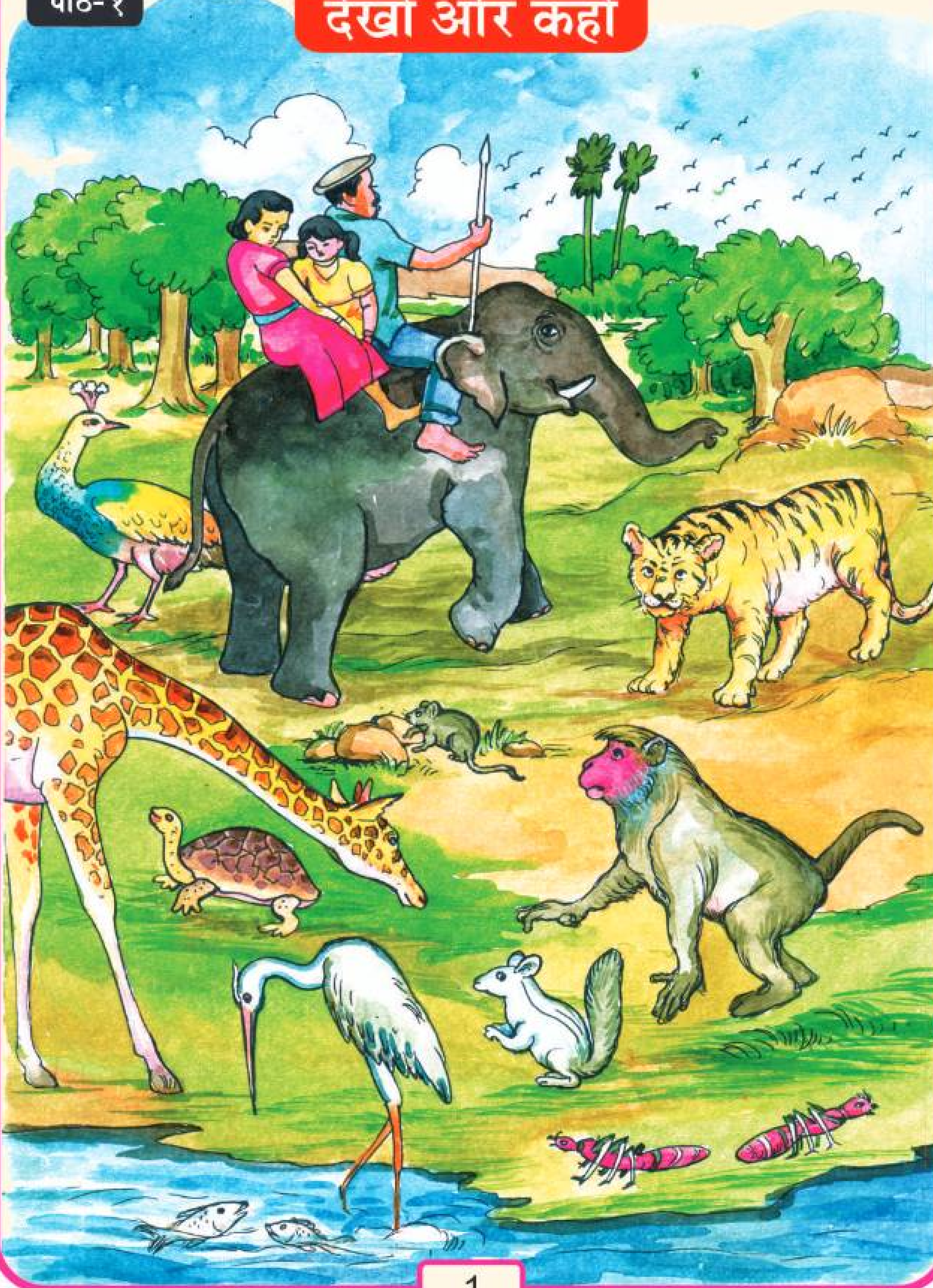

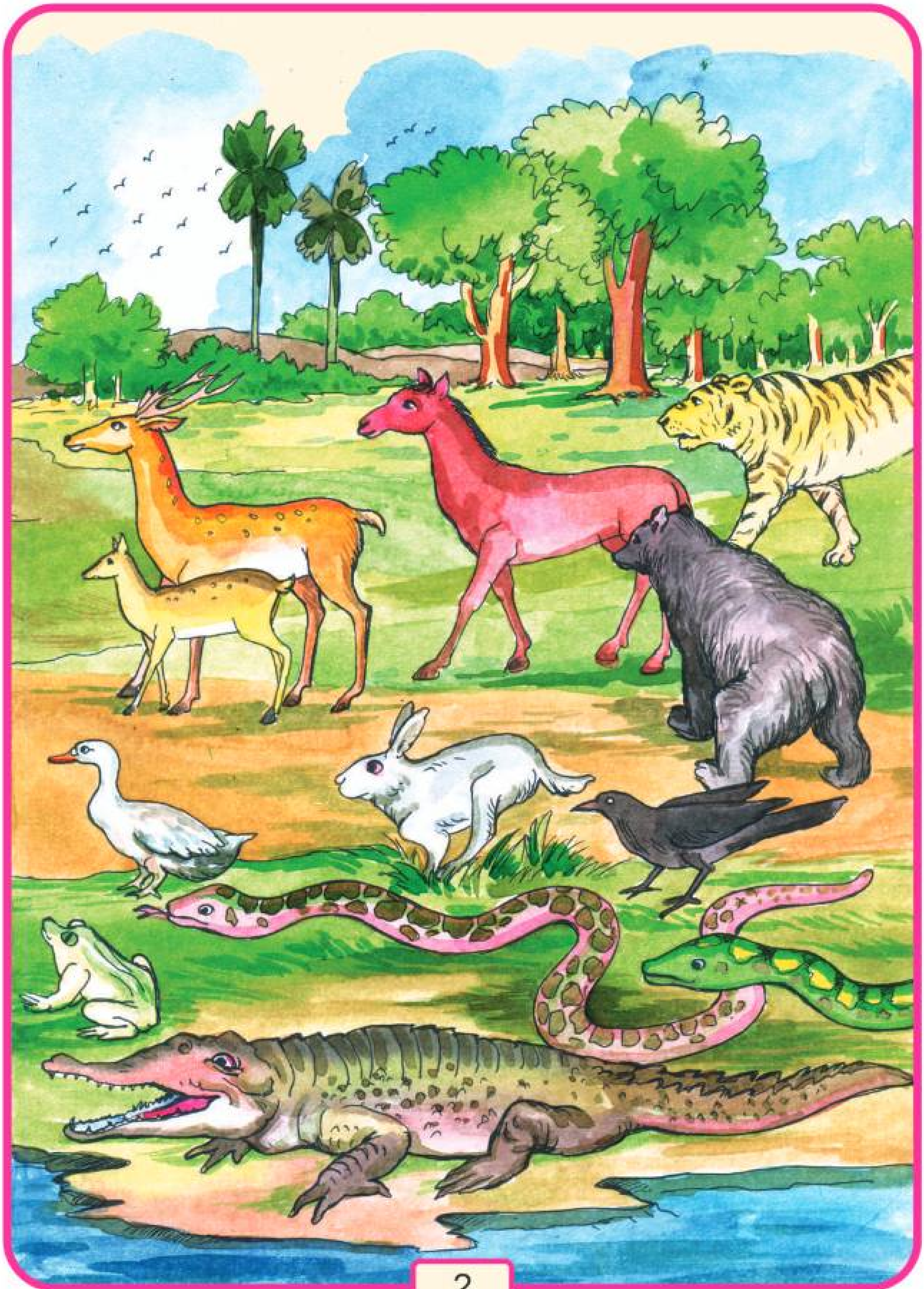

शिक्षक और अभिभावकों के लिए सूचना

- पहले बच्चे आपस में बातचीत करके मन लगाकर चित्र देखेंगे । हर बच्चे को चित्र के बारे में खुलकर बोलनेको कहा जाए ।

- चित्र के जीवों में से कौन कैसे बोलता है । कौन किसके पास है और कौन दूर है? बड़ा जानवर / छोटा जीव / मोटा / छरहरा कौन है? किसकी पीठ पर लड़कियाँ बैठी हैं? जीवों के अंगों के बारे में शिक्षक पूछेंगे, चर्चा करेंगे ।

- चित्र देखो और 'मुझसे क्या पूछना है, पूछो' - शिक्षक ऐसा कहकर हर बच्चे / बच्ची से कुछ सवाल खींचने को कोशिश करेंगे । फिर उनका उत्तर भी-देंगे ।

- चित्र देखकर जो बच्चों को अच्छा लगे उसे आँकने को और उसमें रंग भरने को कहा जाएगा । हर बच्चे को कुछ-न-कुछ आँकना चाहिए ।

- चित्र के जानवर और पक्षियों के अथवा दूसरे जीव और चिड़ियों के नाम कहने के लिए शिक्षक सूचना देंगे ।

- शिक्षक बच्चों से कुछ मजेदार सवाल जैसे-जिराफ और गिलहरी क्या बात कर रहे हैं? मगर क्यों हँस रहा है? बंदर किससे कह रहा है ? शिक्षक ऐसे सवाल करेंगे।

- चित्र के जानवर और पक्षियों में से तुम्हें कौन-कौन ज्यादा पसंद है? क्यों वे अच्छे लगते हैं, ऐसे सवाल करेंगे । ३ ९ पिरियड़ों में इस विषय से बच्चों के सुन-ना, कहना, सवाल करना, समझना, जीवजंतुओं को पहचानना, चित्र बनाना, कल्पना करना आदि क्षमताओं को विकास कराना आवश्यक है ।

पाठ-२

मुन्ना और मुन्नी

मुन्नी मुन्ना बहन भाई
गूँद आटे की लोई,
मूँग की पीठी भरके उसमें
पीठे और चटनी बनाई ।

छाजन पर थी बैठी चिड़िया
महक पाई तो ललचाई ।

किवाड़ खोलकर बोला मुन्ना
बाघ मामा तुम आ जाओ
खाओ पीठे चीनी चटनी
लो कुर्सी आराम फरमाओ ।

कुर्सी करती चरमर चरमर
डर के मारे मामा थरथर ।

अभ्यास

१. ‘ च ’ अक्षर के चारों ओर ‘○’ बनाएँ और
‘ ट ’ अक्षर के चाचों ओर ‘□’ बनाएँ ।

चीकू

चाकू

टोपी

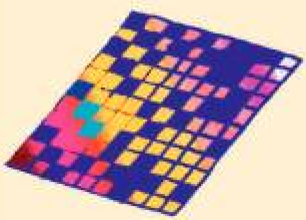

चटाई

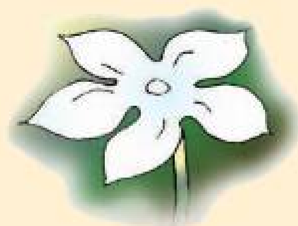

तगर

चिड़िया

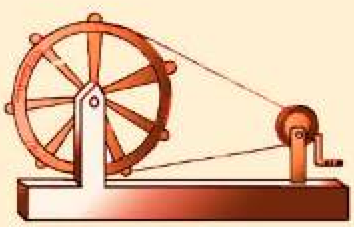

चरखा

घड़ा

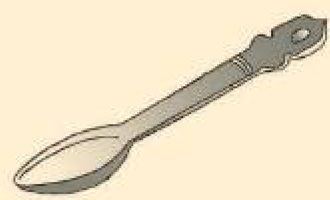

चम्मच

पाटा

सीटी

पलटा

२. नीचे की तसवीरों में जो चीजें हैं उनका नाम बताएँगे ।
कौन चीज भारी है और कौन हलकी है, बताएँगे।

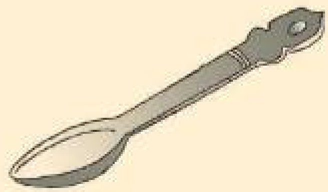

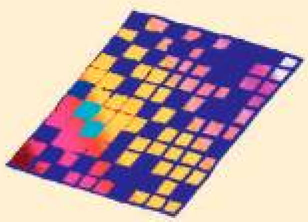

३. घरमें जो चीजें हैं उनमें से कुछ के नाम बताएँगे ।

४. तसवीर देखकर नीचे के लेख पढ़ेंगे ।

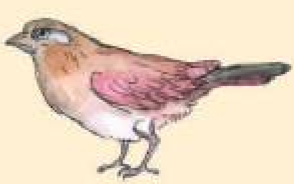
चिड़िया

चप्पल

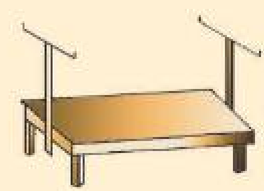
खाट

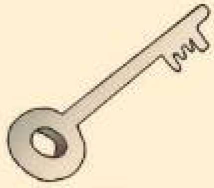
चाभी

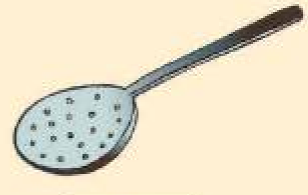
करछूल

पहिया

५. तसवीर देखकर बताएँगे ।

(क) किसने धोती पहनी है ?

(ख) उन्होंने और क्या-क्या पहना है ?

(ग) तुम्हारे घर में और कौन-कौन हैं ?

(घ) किसने साड़ी पहनी है ?

(ङ) उसने और क्या पहना है ?

(च) पुरुष और कौन-कौन-सी पोशाक पहनते हैं ?

(छ) स्त्रियाँ और क्या-क्या पोशाक पहनती हैं ?

६. कविता में 'च' के नीचे रेखा खींचेंगे और 'ट' के ऊपर ।
जैसे - च ट

७. 'च' और 'ट' लगाकर और क्या-क्या शब्द जानते हो ।
आओ बताएँ ।

८.

आँखों में चिड़िया ऐनक चढ़ाकर
कुर्सी पर आ बैठी है ।
कटोरी से चटनी चटापट
थोड़ी-थोड़ी चखती है ।

'च' अक्षर जहाँ पर है वहीं कंकड़ रखेंगे ।

९. (क) आओ तसवीर बनाएँगे ।

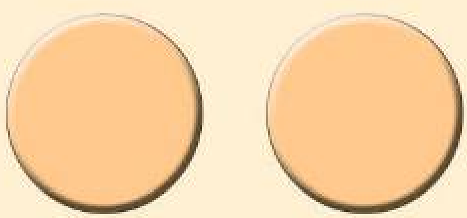

(ख) आओ आधे की तसवीर बनाएँगे ।

(ग) आधे फूल को पूरा करेंगे ।

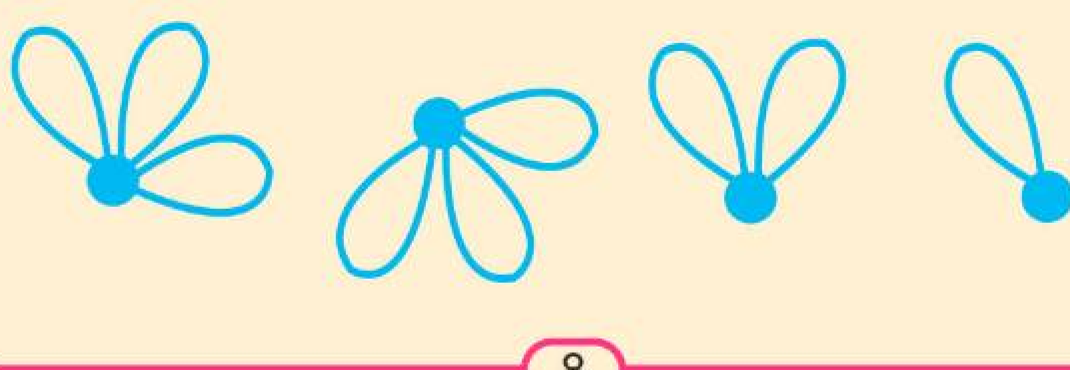

१०. चित्र देखकर बताएँगे ।

(क) मेढ़क नानी क्या कर रही है?

(ख) पीठा बनानेके लिए क्या-क्या चीजें चाहिए?

(ग) बंदर क्या देख रहा है?

(घ) तुमने कौन-कौन से पीठे खाए हैं?

शिक्षक और अभिभावकों के लिए सूचना

- चित्र देखकर शिक्षक और बच्चे कविता को २/ ३ बार दुहराएँगे ।
- कविता को पद, पद से पंक्ति, पंक्तिसे आधी पंक्ति, आधी पंक्तिसे शब्द, शब्द से अक्षर की पहचान कराना जरूरी है ।
- अभ्यास कार्य ३ और ७ में बच्चे कुछ जरूर बताएँ ।
- अभ्यास कार्य ५ में दूसरी पोशाकों पर बात करनी चाहिए ।
- अभ्यास कार्य ९ की तरह बालू या कंकड़ लेकर भिन्न-भिन्न आकृतियाँ बनाएँ ।
- इस पाठ को पढ़ाने केलिए कम से कम २१ पिरियड़ लगाएँ । इसी पाठ से सुनना, कहना, (च और ट), आवृत्ति करना, प्राक्-लेखन, प्राक्-गणना (एक से दूसरे को जोड़ना, भारी और हल्का, विभिन्न आकृतियाँ आदि), कल्पना करना, परिवेश से काम में लाई जानेवाली चीजें, पोशाकें, कौन क्या पहनता है, और परिवार के सदस्यों के नाम कहने की क्षमता विकसित करना आवश्यक है ।

पाठ- ३

बकरी पानी से डरती है

जंगल के भीतर एक पहाड़ है । पहाड़ के नीचे एक झरना है । वह झरझर झरता जा रहा था । झलमल पानी। मछलियाँ उछल-कूद करती थीं। एक बकरी झरने के किनारे जा रही थी ।

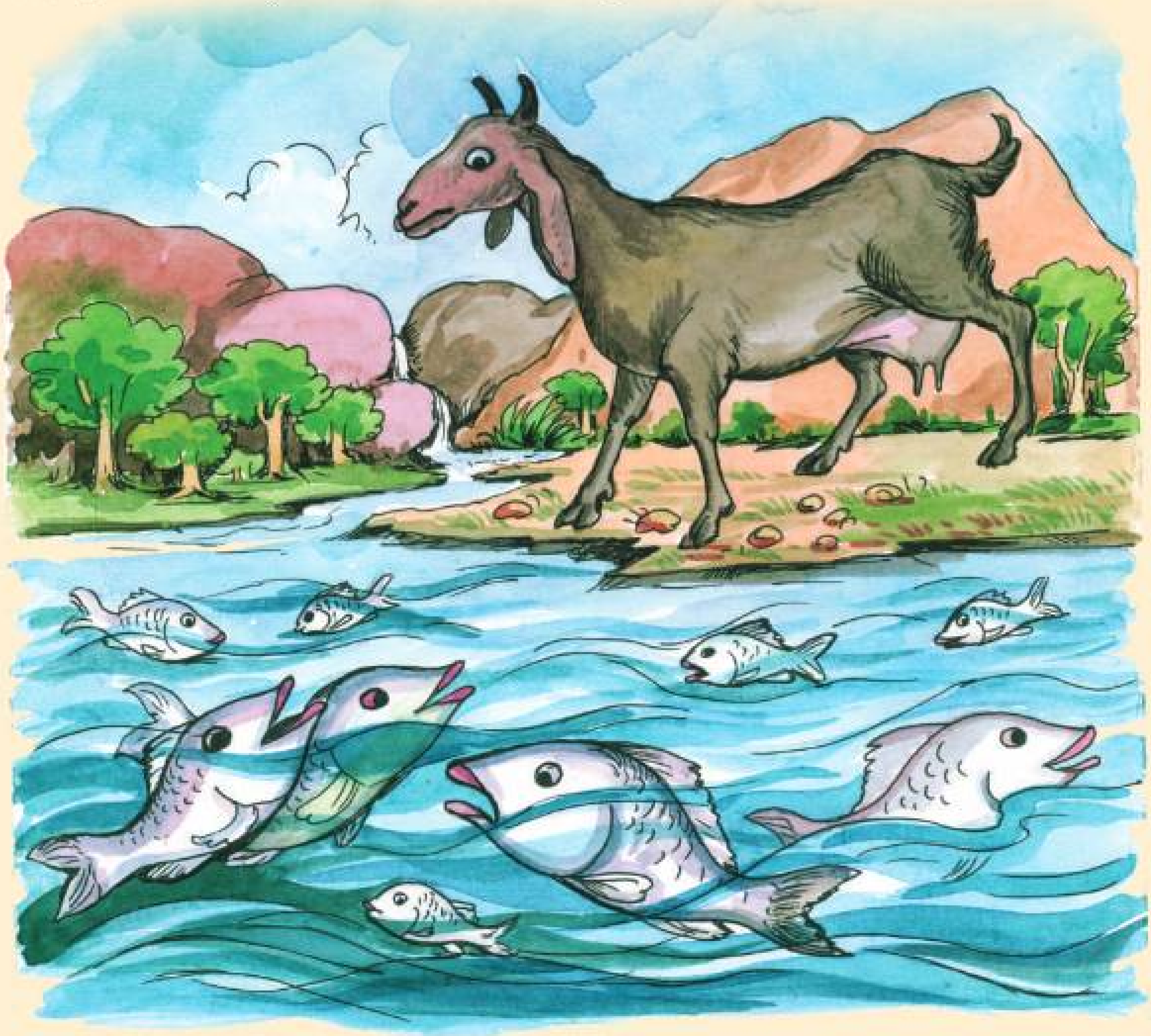

बकरी ने झलमल पानी को देखा । उसका नहाने का मन हुआ । वह पानी में कूद पड़ी । मछली से उसकी टाँग टकराई । मछली ने गुस्से में भुनभुना कर बकरी की टाँग को काट लिया ।

बकरी का बदन झिमझिमाने लगा । वह डर के मारे पानी से निकल कर भाग गई । उसी दिन से बकरी पानी के अंदर कभी नहीं जाती ।

अभ्यास

१. चित्र देख कर बताएँगे।

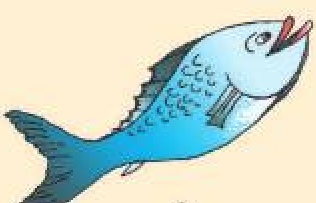

मछली

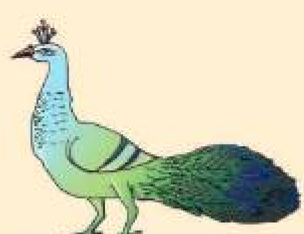

मोर

खिड़की

झरना

पेड़

बगुला

२. मटर, गगरी, खिड़की, पंख, झुमका, मगर, झाड़ू
उपर लिखे शब्दों के -

'म' अक्षर के नीचे (____) देंगे ।

'र' अक्षर के चारों ओर (○) बनाएँगे ।

'ग' अक्षर के चारों ओर (□) करेंगे ।

'झ' अक्षर के चोरों ओर (△) करेंगे ।

३. शब्द के अक्षर के साथ नीचे के घेरे में लिखे समान अक्षर को लकीर खींच कर जोड़ना ।

मकई   बगुला   चरखा   मछला   झाड़ू   रथ

म   र   ग   झ

४. (क) तुम्हारे घर के आसपास जो पेड़ हैं उनके नाम बताएँगे ।

(ख) जंगल में कौन-कौन-से पेड़ होते हैं, उनके नाम बताएँगे ।

५. पाठ - ३ की तसवीरें देखकर बताएँगे ।

- कितनी बकरियाँ हैं ?
- बड़ी मछलियाँ कितनी हैं ?
- छोटी मछलियाँ कितनी हैं ?
- पानी में कुल कितनी मछलियाँ हैं ?

६. आओ चित्र बनाएँ ।

दो बड़ी मछलियों की तसवीर

तीन छोटी मछलियों की तसवीर

७. आओ रंग भरें ।

बॉल को लाल रंग देंगे । कितने बॉल हैं गिनकर बताएँगे ।

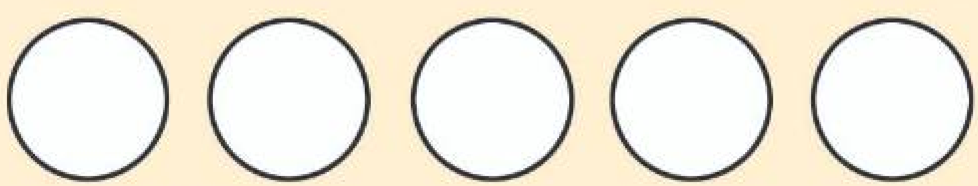

एक मछली को पीला रंग देंगे ।

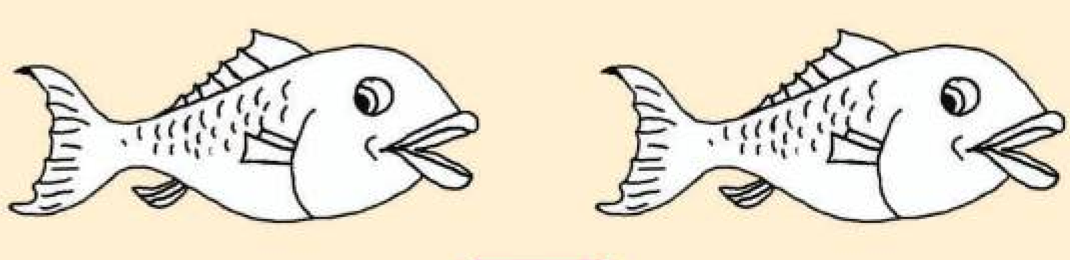

८. हर घेरे के अंदर एक अक्षर और कई तसवीर हैं । जिस तसवीर के नाम में वह अक्षर है उस तसवीर को अक्षर के साथ लकीर खींच कर जोड़ेंगे ।

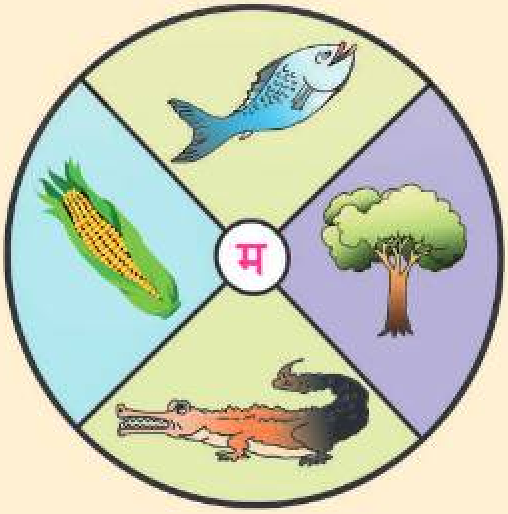

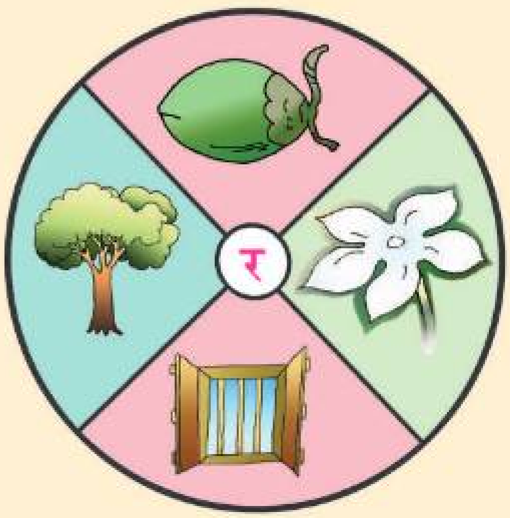

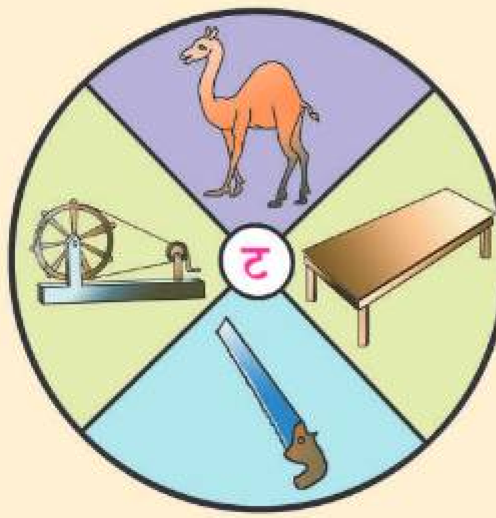

९. (क) आगे बढ़ाएँगे ।

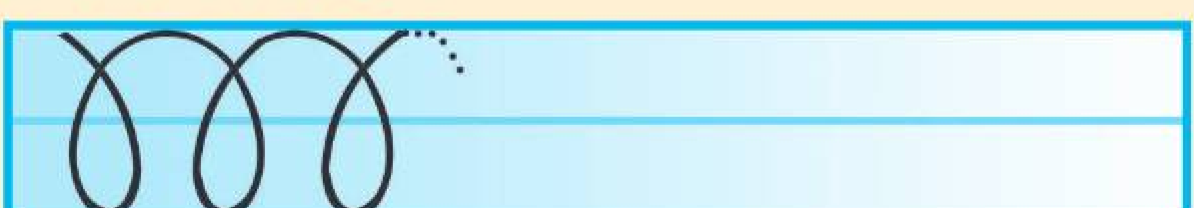

(ख)

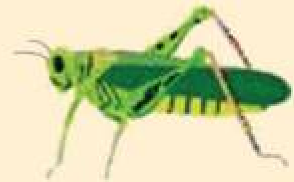

मेढ़क कैसे टिड्डे को खाने जाएगा दिखाएँगे ।
जैसे

(ग) टोकरी में जितना हो सके संतरों के चित्र बनाएँगे ।

१०. बताओ तो देखें ...

(क) मछली की देह से बकरी टाँग टकराने पर बकरी ने क्या कहा होगा ?

(ख) बकरी पानी में घुस जाने पर बड़ी मछलियों ने छोटी मछलियों से क्या कहा होगा ?

११. चित्र देखकर बताएँगे कि कौन बड़ा है और कौन छोटा -

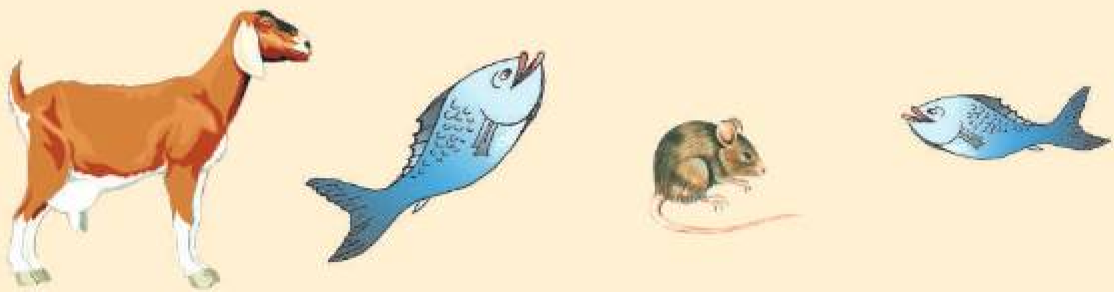

१२.

ऊपर के चित्र को देखेंगे । उसके बारेमें बताएँगे ।

शिक्षक और अभिभावकों के लिए सूचना

- कहानी को चित्र के साथ २/३ बार पढ़ कर लाइन, लाइन से शब्द, शब्द से अक्षर को पहचानने का काम कराया जाएगा ।
- अभ्यास कार्य में सूचना समझने में बच्चों को जहाँ दिक्कत होती वहाँ शिक्षक सूचना पढ़कर समझा देंगे ।
- इस पाठ की परिचालना करते समय चित्रों के ऊपर चर्चा जरूरी है ।
- अभ्यास कार्य को ८ और १० में दिए गए कार्य के बराबर दूसरे बहुत-से कार्य कराए जा सकेंगे ।
- अभ्यास कार्य ११ के साथ कक्षा के कमरे में और विद्यालय के अहाते में और आसपास की चीजों में कौन बड़ा है कौन छोटा है, इस पर बातें करें।
- अभ्यास कार्य १२ में प्रत्येक विद्यार्थी कमसे कम ४/५ वाक्य बोलेगा ।
- इस पाठ के लिए अभ्यास २७ कालावधियाँ होंगी । इस पाठसे वार्तालाप, सरल सवाल-जवाब, चित्र देखकर बताना, म, र, ग, झ को पहचानना फिर पढ़ना, १ से ९ तक की गिनती, अपने परिवेश में जो जंगल, पहाड़, नदी, झरने और पेड़ हैं, उनके बारे में अवधारणा, प्राक्-लिखन (भिन्न-भिन्न आकृतियाँ), छोटा-बड़ा पहचान, विभिन्न रंगों के बारेमें अवधारणा होना आदि के विकास होनेका सुअवसर है ।

पाठ-४

रज का झूला

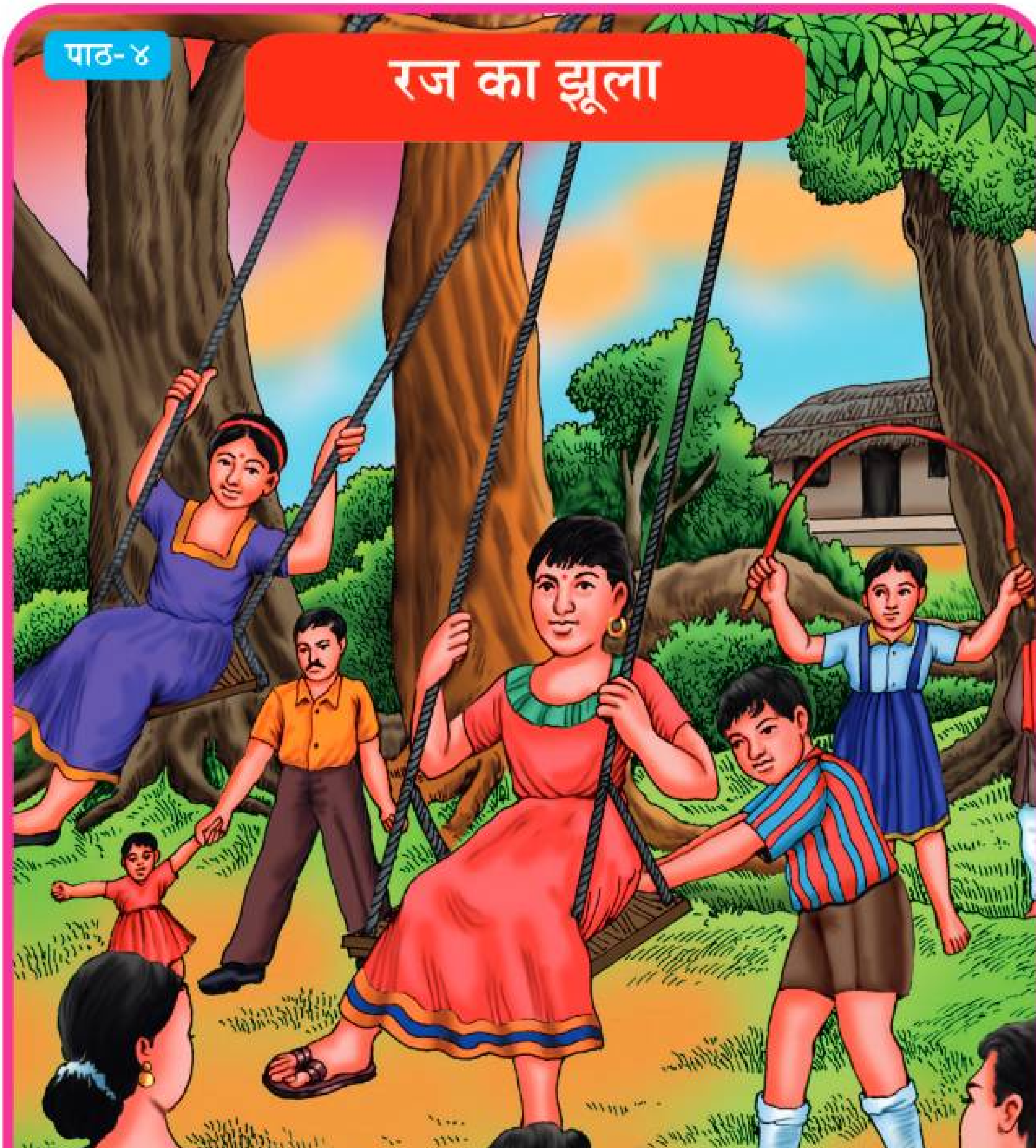

अभ्यास

१. चित्र देखकर शब्दों को पढ़ना ।

केला

संतरा

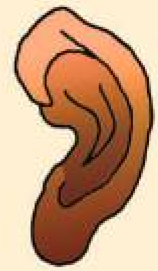

कान

पगड़ी

पंख

नारियल

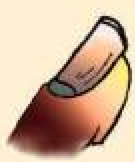

नाखून

लट्टू

नल

२.   कर   कटक   चशमा   कमला

(शब्द में जहाँ ‘ क ’ अक्षर है उसको ‘ ○ ’ से घेरना ।)

नाखून   नट   नर   नल

(शब्द में जहाँ ‘ न ’ अक्षर है उसे ‘ □ ’से घेरना ।)

पंख   पट   पटाखा   पइसा

(शब्द के ‘ प ’ अक्षरों को ‘ △ ’ से घेरना ।

३.

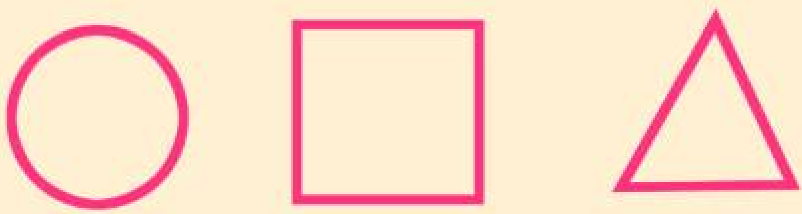

प्रश्न २ के कार्य से गिन कर जो जितना हुआ
उसके अंदर उतनी लकीरें खींचना ।

४. शब्द के साथ सही चित्र के साथ रेखा खींच कर जोड़ना ।

मटर

चटाई

तगर

मग

५. हर लाइन के पहले घेरे में एक-एक अंग का चित्र है । उस अंग के काम के साथ उस लाइन में बने जिस चित्र के साथ संबंध है, उनके आगे '✓' निशान बनाना ।

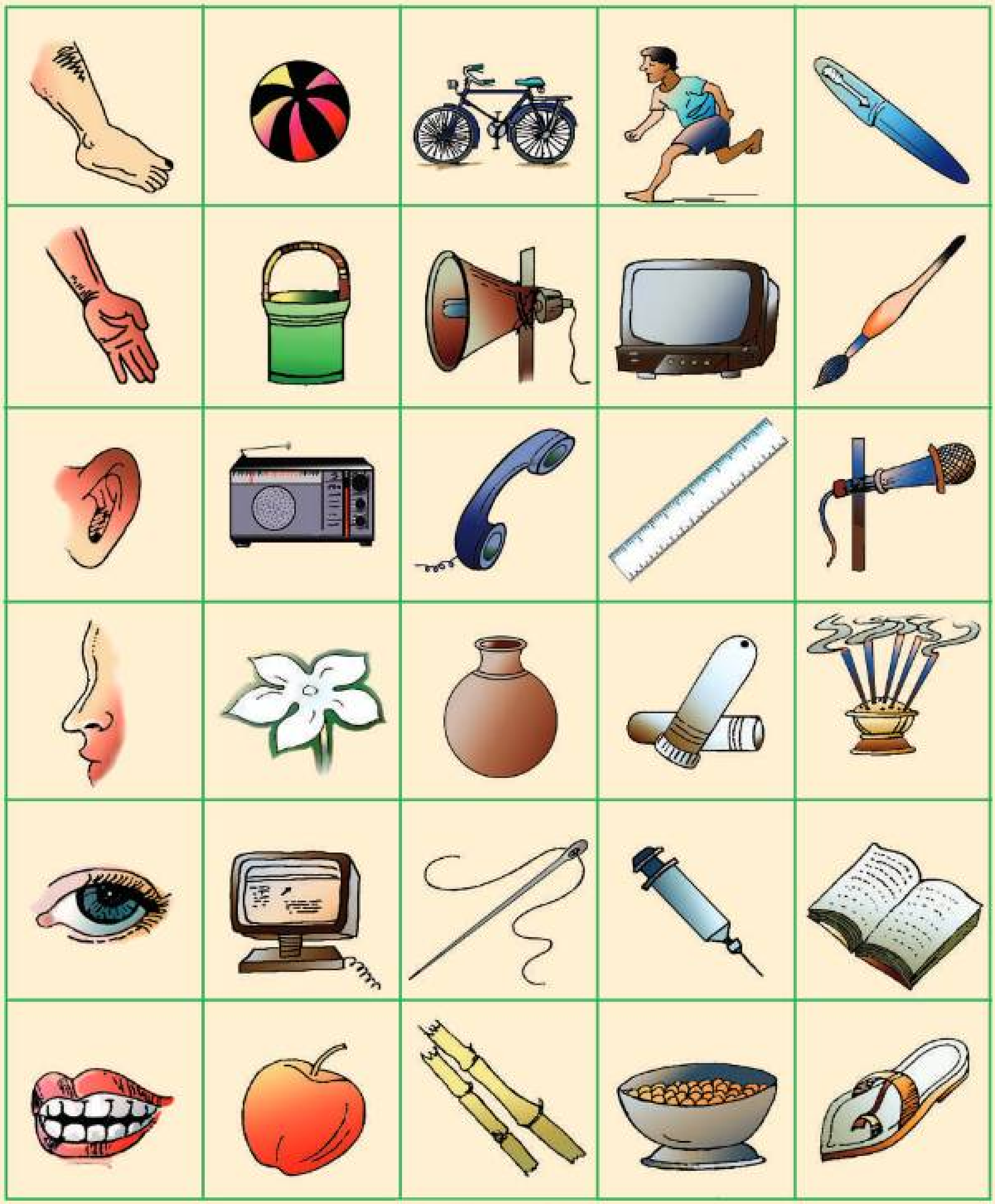

६. आओ रंग भरें ।

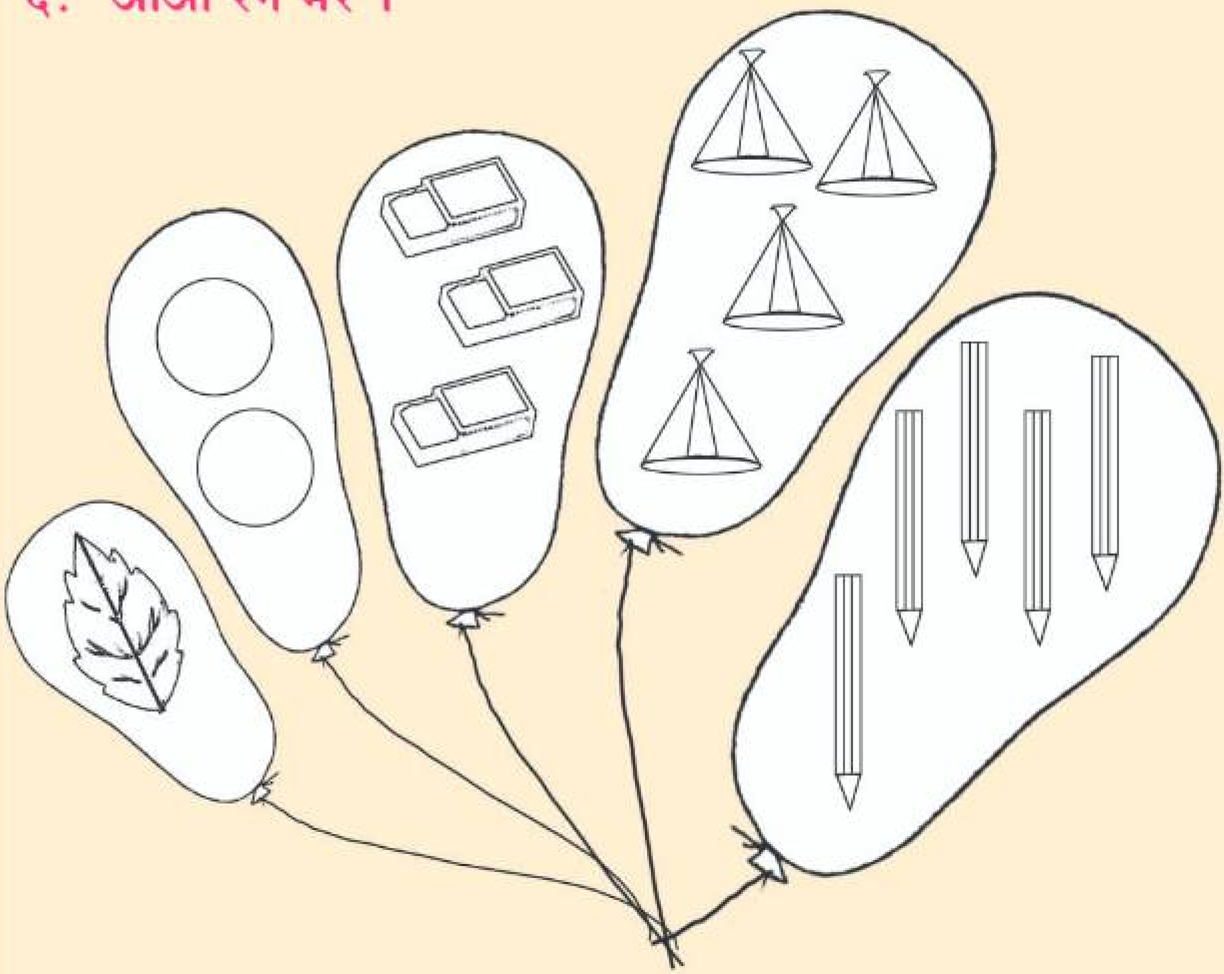

गुब्बारे के भीतर वाले

- पत्तो में हरा रंग देंगे ।
- बॉल में पीला रंग देंगे ।
- दियासलाई में काला रंग देंगे ।
- जोकर की टोपी में लाल रंग देंगे ।
- पेंसिल में नीला रंग भरेंगे ।

७. आओ, हम भी ऐसे लिखें ।

	१ १ १ १
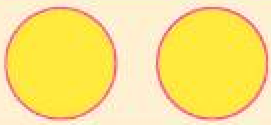	२ २ २ २
	३ ३ ३ ३
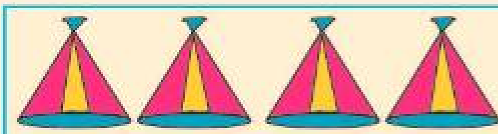	४ ४ ४ ४
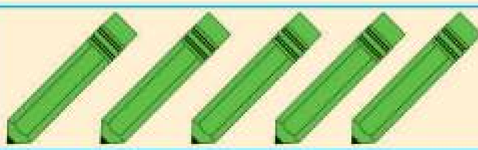	५ ५ ५ ५

८. आओ लिखें ।

चक

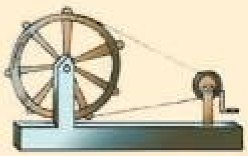

चरखा

चटाई

शिक्षक और अभिभावकों के लिए सूचना

- 'रज का झूला' पाठ की तसवीर बच्चे आपस में बातचीत करके देखेंगे ।

  हर बच्चा बताएगा कि उसने चित्र में क्या देखा ।
- शिक्षक पाठ के चित्र से संबंधित कई प्रश्नों पर चर्चा करेंगे ।
- 'रज का झूला' खेल की तरह अपने अंचल में और कौन-कौन से खेल होते हैं ? उन सभी खेलों पर भी चर्चा होगी ।
- हर बच्चा / बच्ची अभिनय करके हाथ का एक कार्य दिखाएगा / दिखाएगी । शिक्षक दूसरे बच्चों से पूछेंगे कि कौन-सा कार्य हुआ ।

  इसके बाद शिक्षक शरीर के दूसरे बाहरी अंगों के नाम कहते जाएँगे । हरेक बच्चा अंगों-को दिखाएँगे । जिससे पूछा जाएगा वह उस अंग द्वारा होनेवाले कार्य के बारे में बताएगा।
- अभ्यास कार्य संख्या ७ और ८ के साथ बालू , लकड़ी के बुरादे, खड़िया द्वारा नीचे, श्यामपट और स्लेट आदि में संबंधित अंक्षरों की संख्या लिखने के कार्य का अभ्यास करवाया जाना चाहिए ।
- १६ कालावधियों में इस पाठ से शिक्षार्थियों के चित्र पठन, सरल प्रश्नों का उत्तर देना, अलग-अलग चीजों की पहचान करना, क, न, प अक्षर पहचानना और पढ़ना च और ट अक्षर लिखना, १ से ५ तक संकेत पहचानना और लिखना शरीर के बाहरी अंगो के नाम और काम बताना आदि क्षमता का विकास होना चाहिए ।

पाठ-५

ठहाका

बबलू बबली ने हाँक लगाई
ओ बेलूनवाले! सुनो भाई !
देकर जाओ हमें बेलून ।
रंग-बिरंगे लाल नीले
किस्म-किस्म के बेलून फूले!

बबलू बबली ने खेले खेल
लगाए बेलून से तालमेल
आठ बेलून एक साथ जोड़े
आसमान पर उठाकर छोड़े
धाँय धाँय सब बेलून फूटे
बबलू बबली के ठहाके छूटे ।

अभ्यास

१. चित्र देखकर शब्दों को पढ़ेंगे ।

बगुला

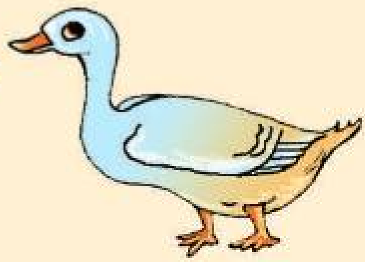

बतख

किताब

डाल

नल

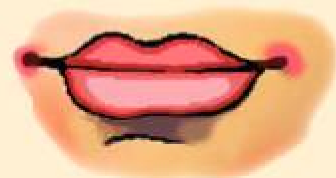

होंठ

आम

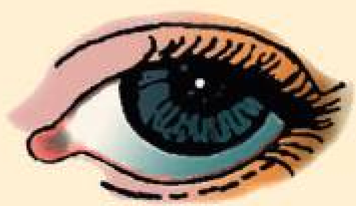

आँख

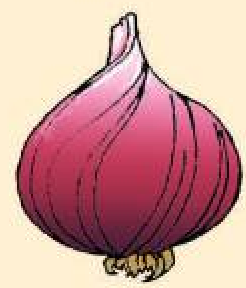

प्याज

चप्पल

फूल

कलम

२. बताओ तो जाने ...

- बबलू बबली ने क्या देखा।
- कौन-कौन बेलूनवाले से बेलून देने को बोले ?
- बबलू बबली बेलून लेकर क्या करने लगे ?
- कितने बेलून आसमान में छोड़ा ?

३. प्रश्न १ के चित्रों में से कौन गोल हैं और कौन लंबे हैं, बताओ।

४. (क) ‘ ब ’ अक्षर को बगुला अपनी चोंच से छुएगा।

बस बैल बरगद

बन चटाई

खाट बल

(ख) ' ल ' अक्षर को लता जाकर छुएगी ।

दाल

ढोल

बैल

मलहम

फल

चप्पल

(ग) ' ल ' अक्षर की पहचान ।

बैल, काला, कलम, मलहम, कमल, लौकी, लहसुन, बल

(घ) ' ट ' वाले शब्द के चारों ओर घेरा ' ◯ ' बनाना है।

कटहल, ठाट, आटा, चटाई, ऊख, टोपी, लालटेन

५. नीचे के चित्रों में जहाँ ब, ठ, आ, ल, अक्षर है
उन चित्रों को संबंधित अक्षर के साथ रेखा खींच कर दिखाना है।

६. बाजा सुनना, चिढ़ाना, अगरबत्ती की महक सूँघना, बॉल खेलना, चित्र आँकना, बाघ देखना - इन कामों से किस काम को किस अंग से करेंगे ?

७. किन चीजों के साथ हाथ का संबंध है ?

८. बताना - तुम हाथ से क्या-क्या काम करते हो ?

९. आठ बेलून या गुब्बारे आँक कर एक को लाल और उस के पास वाले को नीला रंग देंगे। इस तरह आठों बेलून को रंग देंगे।

१०. आओ, उँगलियों की छाप से चित्र बनाएँगे ।

शिक्षक और अभिभावकों के लिए सूचना

- एक गीत को अभिनय करते हुए शिक्षक और बच्चे ३/४ बार आवृत्ति करेंगे । पद, पद से पंक्ति, पंक्ति से आधी पंक्ति, उससे शब्द, शब्द से अक्षर की पहचान करेंगे ।
- अभ्यास कार्य ७ को हाथ-पैर के अलावा दूसरे अंगों से संबंधित चीजों के नाम शिक्षक पूछेंगे और उस अंग के किसी एक कार्य की सूचना देंगे।
- अभ्यास-कार्य ८ के लिए प्रत्येक बच्चा एक-एक काम का नाम बताएगा। पुनरावृत्ति नहीं होगी ।
- अभ्यास-कर्य १० में अलग-अलग उँगलियों पर स्याही लगाकर यथा संभव अनेक चित्र बनवाएँगे ।
- अभ्यास-कर्य ४ के क, ख, ग के काम के लिए

  १) उसी काम के अंदर दूसरा शब्द लेकर के संबंधित अक्षर भी पहचान करवाएँगे ।

  २) इसके लिए चित्र, कार्ड, अक्षर कार्ड तैयार करके ऐसे काम करना भी आवश्यक है ।
- इस पाठ के लिए २५ पिरीयड़ लगाएँ । ल, ब, ठ, आ अक्षर की पहचान उनको पढ़ना, दोहराना, बाहरी अंगों की पहचान करना और उनका कार्य बताना, १ से ९ तक गिनना, सूचना को समझकर सरल वाक्य में अपने भाव को व्यक्त करना, विभिन्न आकृतियों को पहचान लेना, विभिन्न चित्र बनाना आदि के लिए दक्षता का विकास करना आवश्यक होगा।

पाठ- ६

बताओ तो देखें

मेरा मुँह हो गया पोपला
सिर के बाल न रहे काला
मेरा बेटा रीमा सीमा का बाप
मैं हूँ कौन सो बताओ साफ ।

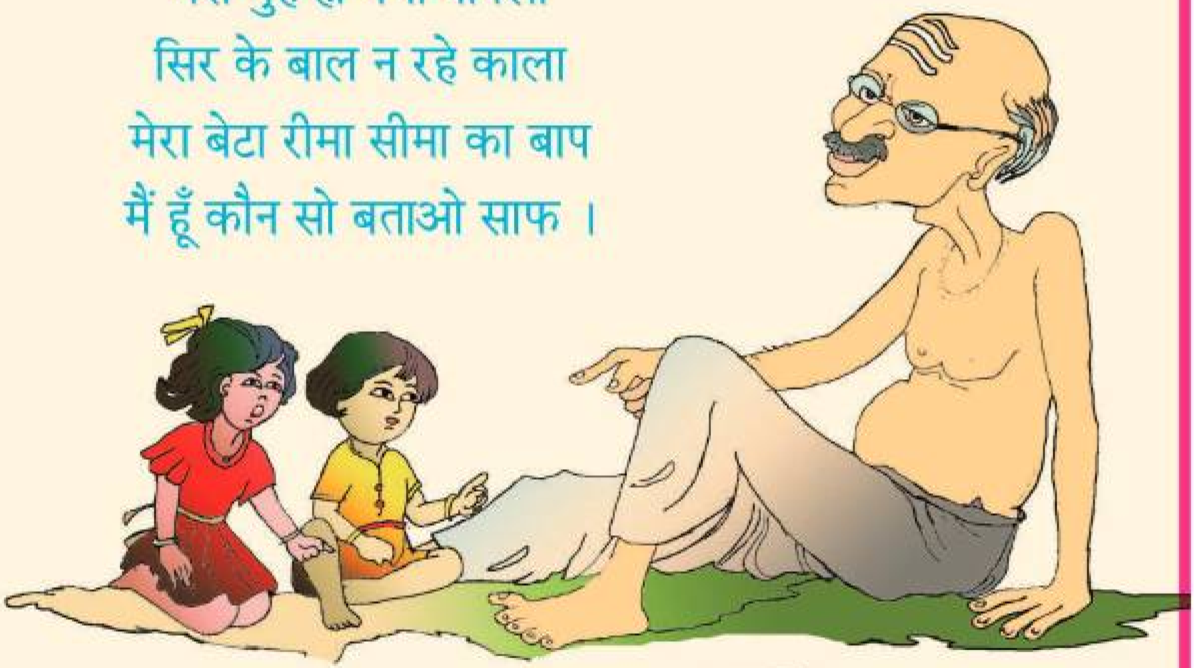

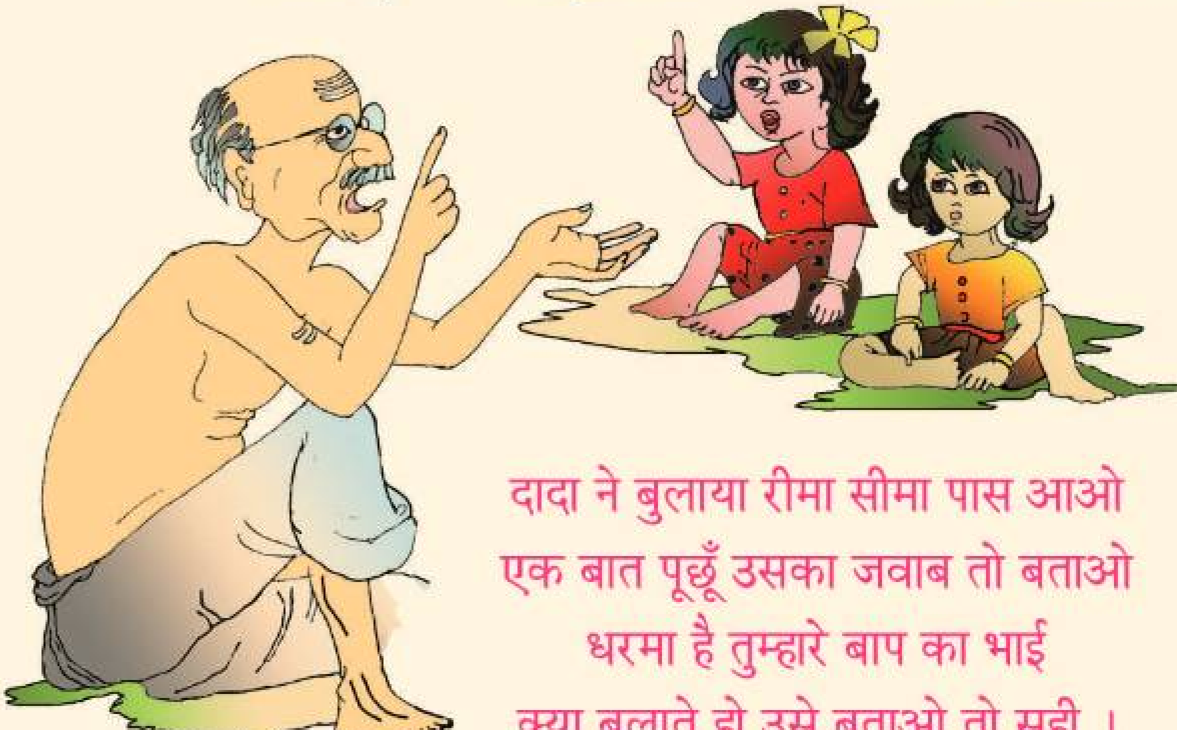

दादा ने बुलाया रीमा सीमा पास आओ
एक बात पूछूँ उसका जवाब तो बताओ
धरमा है तुम्हारे बाप का भाई
क्या बुलाते हो उसे बताओ तो सही ।

दादा ने बुलाया फिर निकट अपने
जनम दिया है तुमको जिसने
क्या कहकर पुकारते हो तुम उसे
जानता है जो जरा हाथ उठाए झटसे ।

माँ की बहन है जो माँका है भाई
क्या कहते हो उनको बोलो भाई
तुम्हारे क्या होते हैं उनके माता पिता
फौरन बताए जो वह जग जीता ।

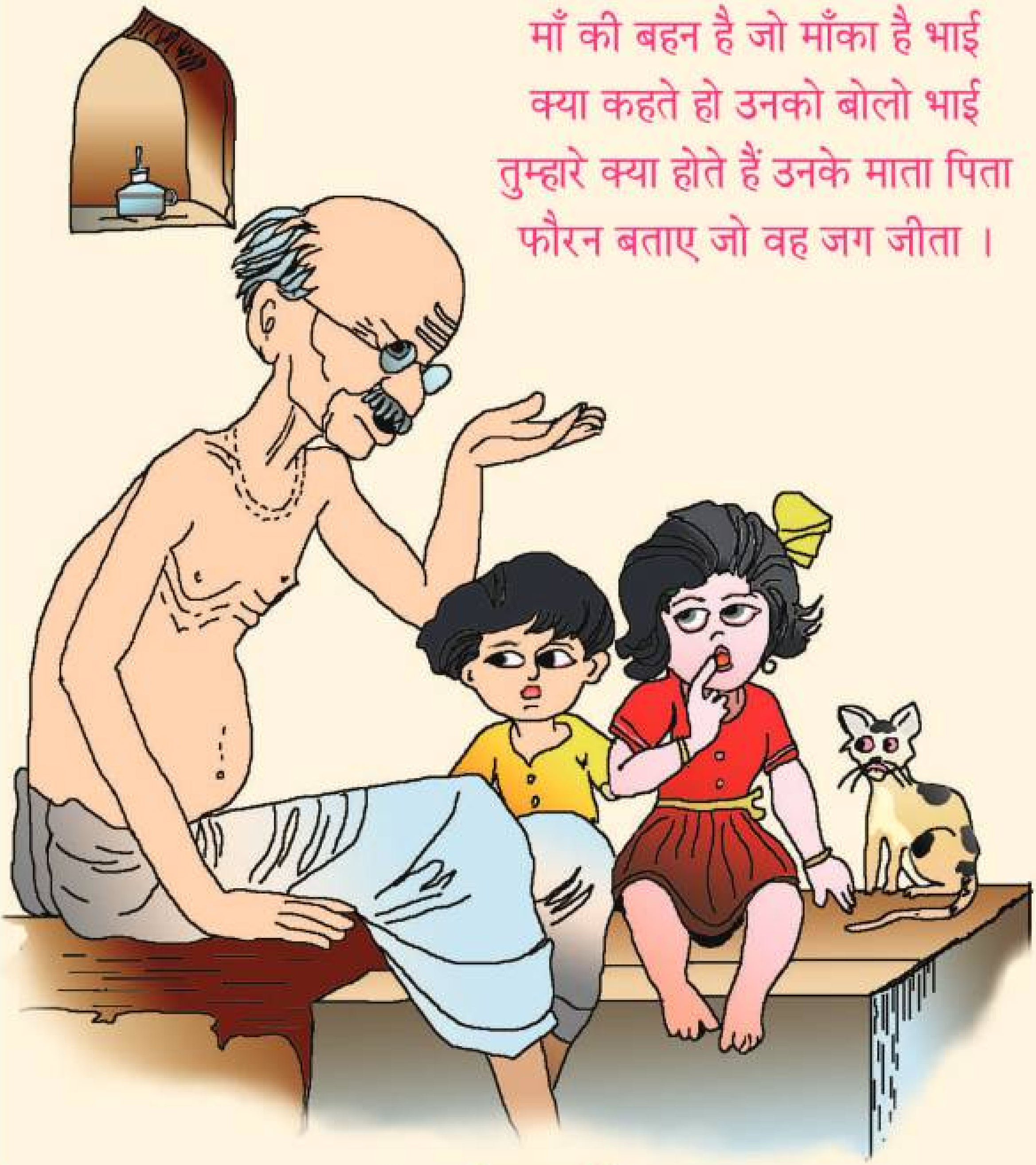

अभ्यास

१. पढ़ेंगे -

राम के बापू (पापा) हैं कमल ।
कनक के बापू हैं कमल।

२. कहेंगे -

राम कनक का क्या लगेगा ?

३. पढ़ेंगे -

राम की माँ हैं कमला ।
कनक की माँ हैं कमला।

४. बताएँगे -

कनक राम की क्या होगी ?

५. शिक्षक बात करेंगे -

- तुम्हारे घर में कौन-कौन रहते हैं ?
- तुम बापू की माँ को क्या कहोगे ?
- तुम्हारे पड़ोसी घर में कौन-कौन रहते हैं ?
- तुम्हारे दोस्त का नाम बताओ । उनके घर में कौन-कौन रहते हैं, बताओ।

६. पढ़ेंगे और ' अ ' के नीचे लकीर खींचेंगे।

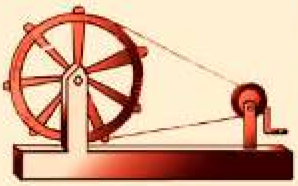

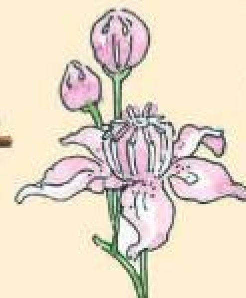
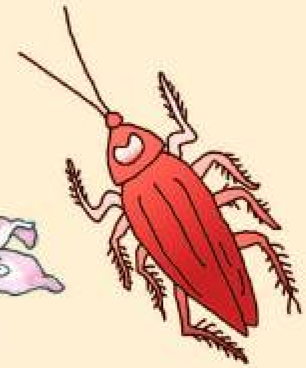

अनार अचार अधिक असम अजवाइन अजायबघर

७. शब्द के ' अ ' अक्षर के साथ नीचे के ' अ ' के साथ रेखा से जोड़ेंगे।

अमर अपार अपर अगर अघाना अटल अडिग अनल

अ

८. ' आ ' की मात्रा वाले अक्षर को रेखा खींच कर टोकरी में लाएँगे ।

बाट

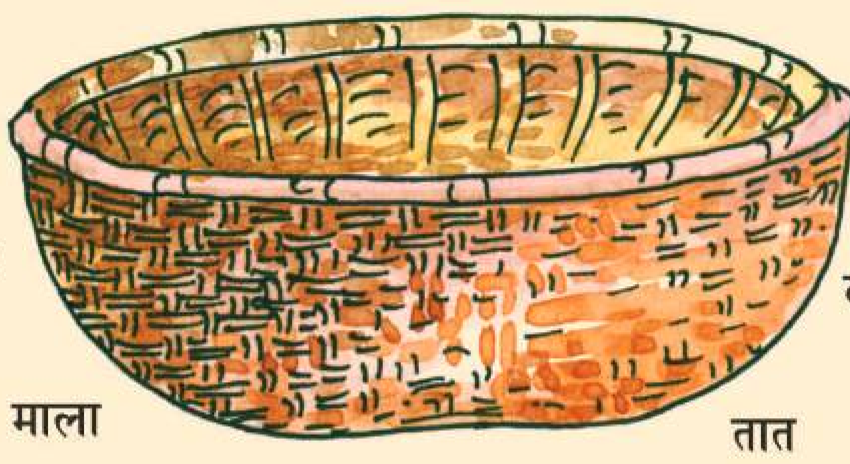

बात

माला

तात

ताला

डाल

९. (क) कितने गमले हैं, गिन कर बताएँगे।

(ख) किस गमले में कितने फूल हैं, गिन कर उसके नीचे लिखेंगे।

(ग) कुल कितने फूल हैं गिनकर बताएँगे।

१०.बराबर की तादाद वाले चित्रों को गिन कर लकीर खींच कर जोड़ेंगे।

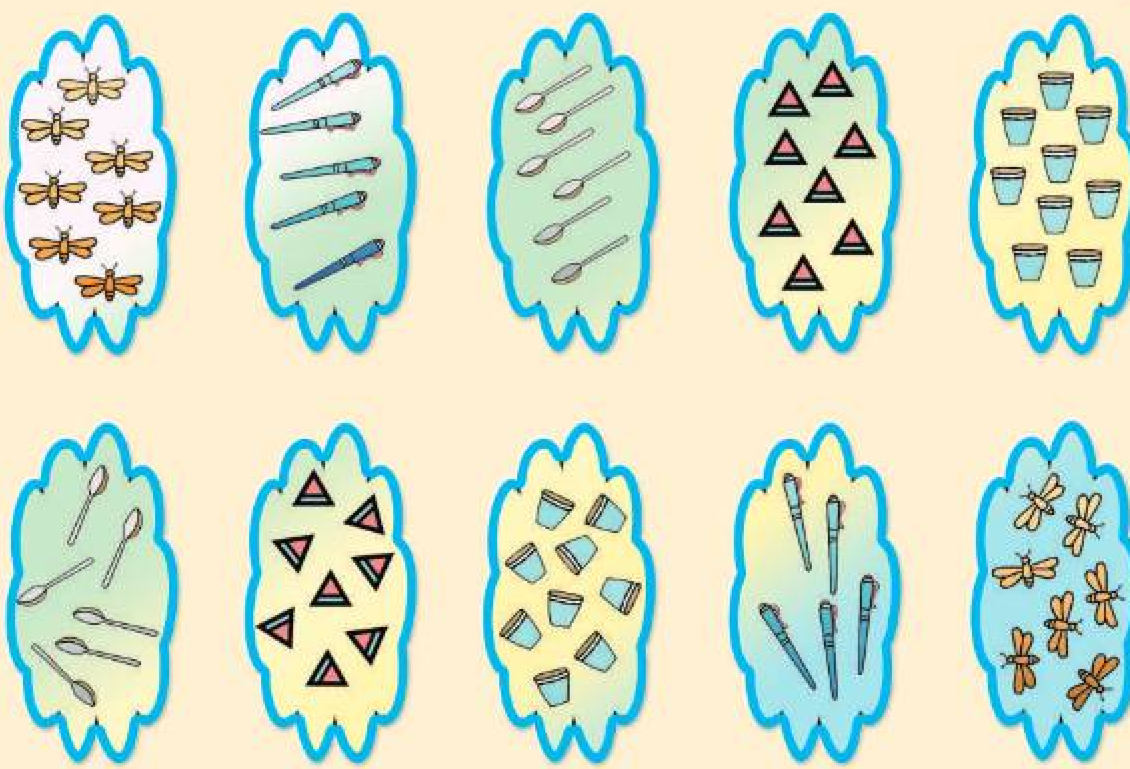

१ १. संख्या को देखकर वैसा लिखेंगे।

६ ६ ६ ६

७ ७ ७ ७

८ ८ ८ ८

९ ९ ९ ९

१ २. बताएँगे - तुम्हारे घर में कौन क्या काम करता है?

१ ३. पढ़ेंगे -

नट	चट	वट
पर	वर	नर
तगर	नगर	रबड़

१ ४. लिखेंगे -

नख नख

पर पर

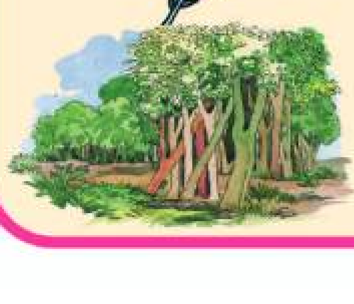

वन वन

शिक्षक और अभिभावकों के लिए सूचना

- पाठ को दो-तीन बार चित्र देखकर पढ़ा जाएगा।
- पहले की तरह (दूसरे, गीत पढ़ाने की तरह) अ, ख, न, व, र और 'आ' मात्रा की पहचान कराना।
- अभ्यास १ के कार्य के बाद शिक्षक २ के सवाल पूछेंगे, दूसरों के साथ संबंध के बारे में बातचीत करेंगे।
- अभ्यास १ २ के कार्य के साथ "तुम्हारे गाँव के लोग क्या-क्या काम करते हैं" ऐसी चर्चा की जा सकती है।
- अभ्यास १ ४ के कार्य की तरह जमीन पर, बालू में या स्लेट पर ऐसा लिखना जरूरी है।
- इस पाठ के लिए २ ८ कालाविधियाँ होंगी। इस पाठ से बच्चे - अ, ख, न, ब, र और आ की मात्रा को पहचानना, पढ़ना, लिखना, विभिन्न संबंध दिखानेका, कौन क्या काम करता है बताना १ से २ ० तक गिनना, संख्या का मिलान करके संख्या का परिमाण बताना, ६ से ९ तक की संख्या को लिखना आदि दक्षता का होना आवश्यक है।

पाठ-७

मुन्नी गई थी बाजार

मुन्नी छह सात साल की लड़की है। एक दिन वह जल्दी से पाठशाला जानेको निकली। थोड़ी ही दूर में बाजार है। सोचा एक चक्कर लगाएगी। वह बाजार में घुसी। वहाँ क्या-क्या देखा ?

अभ्यास

१. आओ चित्र देखकर बताएँ।

बाघ

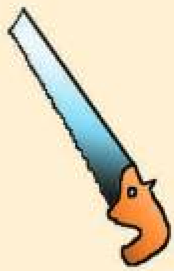

आरा

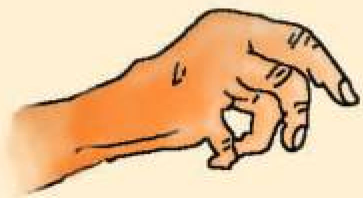

हाथ

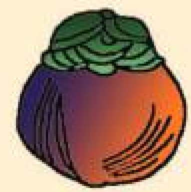

ताड़

रायता

बतख

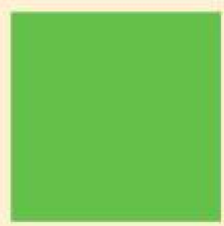

हरा

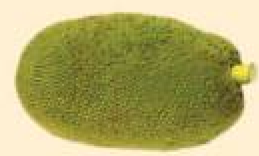

कटहल

छाता

परबल

भाला

शाल

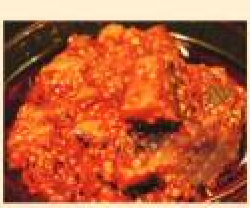

अचार

पान

बॉल

२. आओ लिखें।

•	••	•••	••••	•••••	••••••	•••••••	••••••••	•••••••••
१			४				८	

३. चित्र के अंदर लिखे अक्षर नीचे के शब्दों में जहाँ हैं, उसके चारों ओर घेरा बनाएँगे।

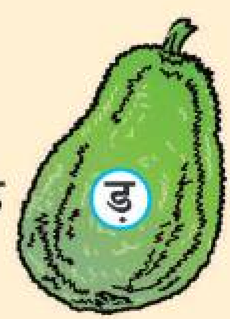

पेड़	वन	छाता	मानव	तबला	कहानी
आठ	चाक	नट	पत्ता	वन	टहनी
गधा	बैल	पर	चना	कल	कुहनी

४. चित्र देखकर पढ़ेंगे और खाली जगहों पर लिखेंगे।

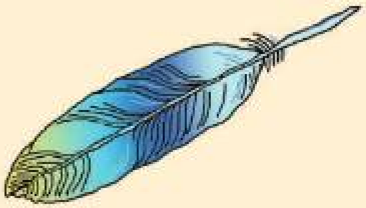

पं___

म___ई

का___

ना___

आ___

चा___ल

दा___

क___म

पढ़ेंगे -

हार	चार	चाट	पान
जाल	राख	बाट	कान
चाचा	वार	नाटक	नाक
बाबा	अचार	अकल	नाना
चाकर	आकार	नकल	बछड़ा

५. खाली जगहों को भरेंगे।

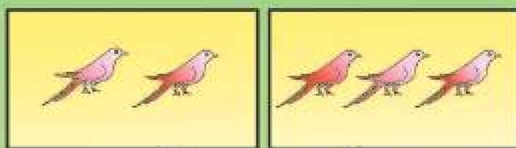

५ चिड़िया

___कलम

___बेलून

___फूल

___बैंगन

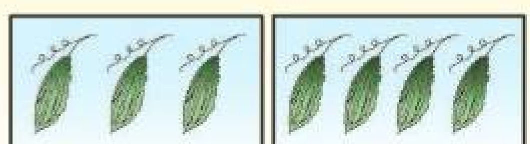

___करैला

६. अक्षर को देखकर ठीक वैसे लिखेंगे।

अ अ

आ आ

म म

म म

क क

क क

अ अ

अ अ

शिक्षक और अभिभावकों के लिए सूचना

- मुन्नी गई थी बाजार पाठ को शिक्षक और बच्चे मिलकर पढ़ेंगे। उसके बाद बच्चे चित्र को मन लगाकर देखेंगे।
- उसके बाद कुछ साधारण सवाल, जैसे - तुम्हारे गाँव में या गाँव के पास कब बाजार भरता है? कहाँ पर बाजार होता है। बाजार लगता है तो तुम्हारा क्या फायदा होता है? बाजार हमें कैसे मदद करता है, इस पर चर्चा होगी।
- हाट / बाजार में क्या-क्या मिलता है, चित्र को देखकर और मनसे बताने को शिक्षक सूचना देंगे।
- बच्चे जो नाम बताएँगे उनको लिखा जाएगा और उनमें से ग, द, श, छ आदि अक्षरों और शब्द से जोड़ने और पढ़ने का काम होगा।
- हाट / बाजार में मिलनेवाली चीजें, घड़ा, हँसिया, कपड़ा, साबाँ / बाँस की बनी टोकरी आदि कौन बनाता है, इसके बारे में घर में या गाँवमें पूछकर जानने का काम दिया जाएगा।
- अभ्यास ६ के काम के साथ उन अक्षरों को खड़िया, बालू और काठ के बुरादे आदि में लिखाना और अभ्यास करवाना होगा।
- अभ्यास २ के काम के बाद १ से ९ तक लिखने का और संख्या के अनुसार चित्र आँकनेका काम दिया जाएगा।
- २९ कालावधि वाले इस पाठ को शिक्षार्थियों का ग, छ, ण, त, द अक्षर पहचानने और पढ़ने, अ, आ, क, म, आ की मात्रा (ा) वाले शब्द लिखने का, १ से ९ और ९ से १ क्रमसे लिखने का, योगफल ९ के भीतर २ संख्यायों का जोड़ करने का, हाट के बारेमें वर्णन करने आदि दक्षता का विकास होना आवश्यक है।

हम अबतक च, ट, म, र, ग, झ, क, न, प, आ, ठ, ब, ल, अ, ख, छ, ण, त, द अक्षरों को सीख चुके। त, व, न, व, प, म, र, ल क्रम हिंदी वर्णमाला में ये अक्षर अ, आ, क, ख, ग, च, छ, झ, ट, ठ, ण, त, द, न, प, म, र, ल क्रममें हैं।

पाठ-८

राजा की भोज

जंगल के राजा भोज देंगे। सभी रिआया (प्रजा) राजमहल में खाएँगे। बुलावा पाकर सभी जानवर सजधज कर निकल पड़े।

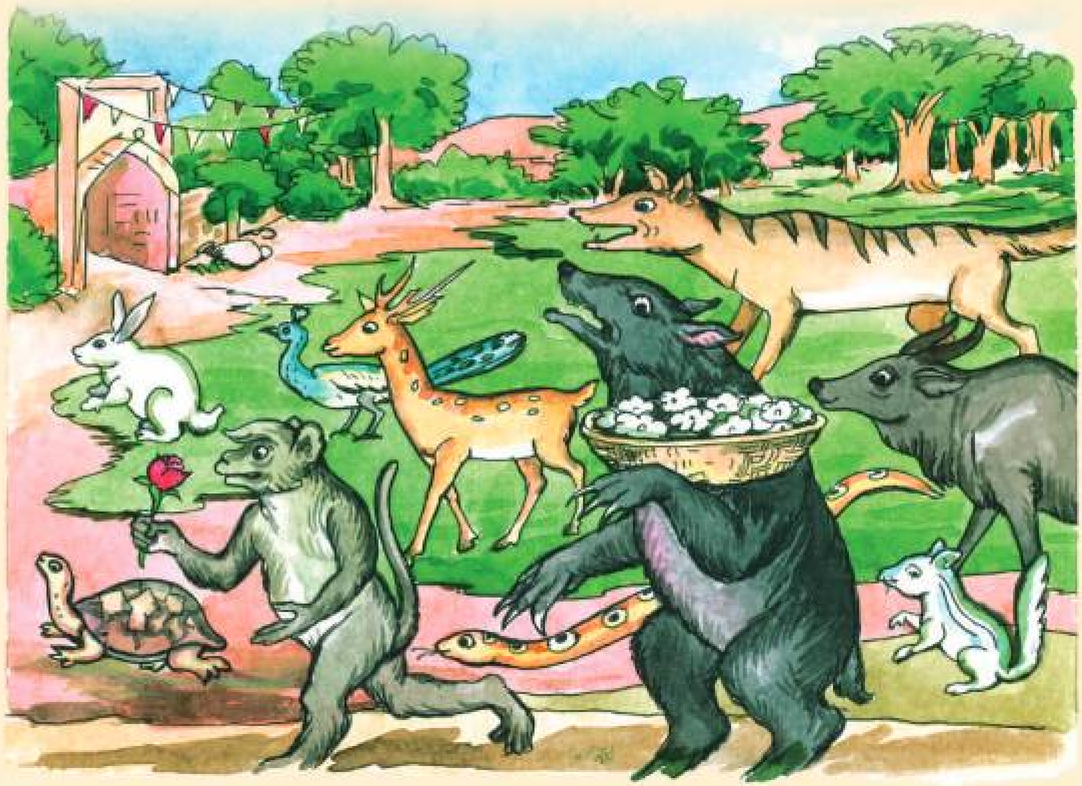

भालू एक बड़ा टोकरा लेकर चल रहा था। उसमें सफेद फूल सजे हुए थे। बंदर के हाथ में थी गुलाब की कली। सबके पीछे बूढ़ा भेड़िया हिलडुल कर चल रहा था।

डिब्बे में खाने की चीजें थीं। ढक्कन खोल दिया गया। महल में सभी जानवर कतार में बैठ गए। उनमें से कितने करछूल लेकर परोसने लगे।

एकदम आखिर में सियार आया। पीढ़ा बिछाकर बैठ गया। सोचा पेट भरकर खाएगा। देखा तो डिब्बा खाली पड़ा है।

अभ्यास

१. आओ बताएँ ...

- राजा ने क्या दिया?
- भालू क्या लेकर चल रहा था?
- सियार किस पर बैठा?
- सियार ने क्या सोचा?
- आखिर में क्या हुआ?

२. आओ देखकर बताएँगे।

डाली

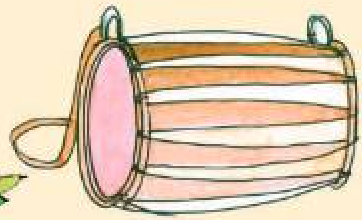
ढोलक

नाव

जटा

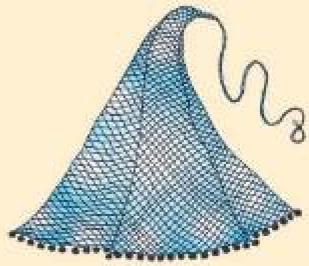
जाल

जीभ

छकड़ा

बंदर

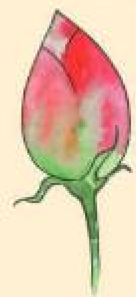
कली

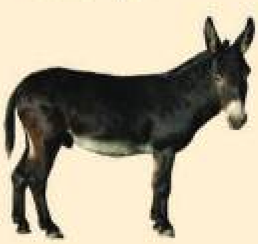
गधा

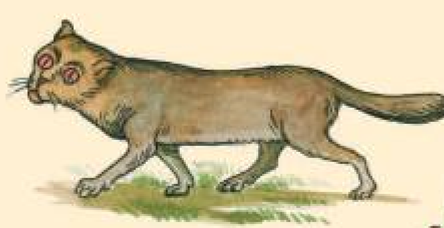
बाढ़

धनु

ऊपर के शब्दों में जहाँ ड, ट, ज, ध, ड, ढ़, अक्षर हैं, उनके चारों तरफ गोल बनाएँगे।

३. चित्र के साथ मिलाकर पढ़ेंगे।

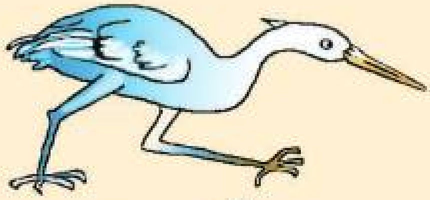

का

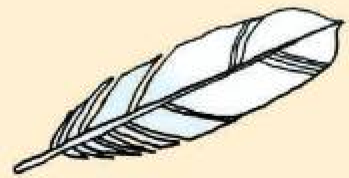

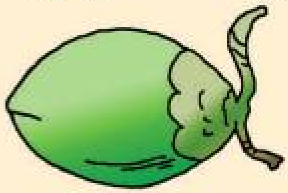

का जल

पकड़ो

छप्पर करो

४. ड, ढ़, ध, ज अक्षर जिस शब्द में है उसे चुन कर उसके नीचे लकीर खींचेंगे।

बगुला, गधा, धनु, जीभ, छकड़ा, कली, डाली, बंदर

५. बता सकें तो बताएँगे।

(क) एक पेड़ पर ५ चिड़ियाँ थीं। ताली बजाने पर सभी चिड़ियाँ उड़ गईं। कितनी चिड़ियाँ वहाँ रह गईं?

(ख) कुनू के पास तीन बेलून थे। तीनों फट गए। अब कितने बेलून बचे ?

६. कौन किसके साथ बराबर है लकीर खींचकर जोड़ेंगे।

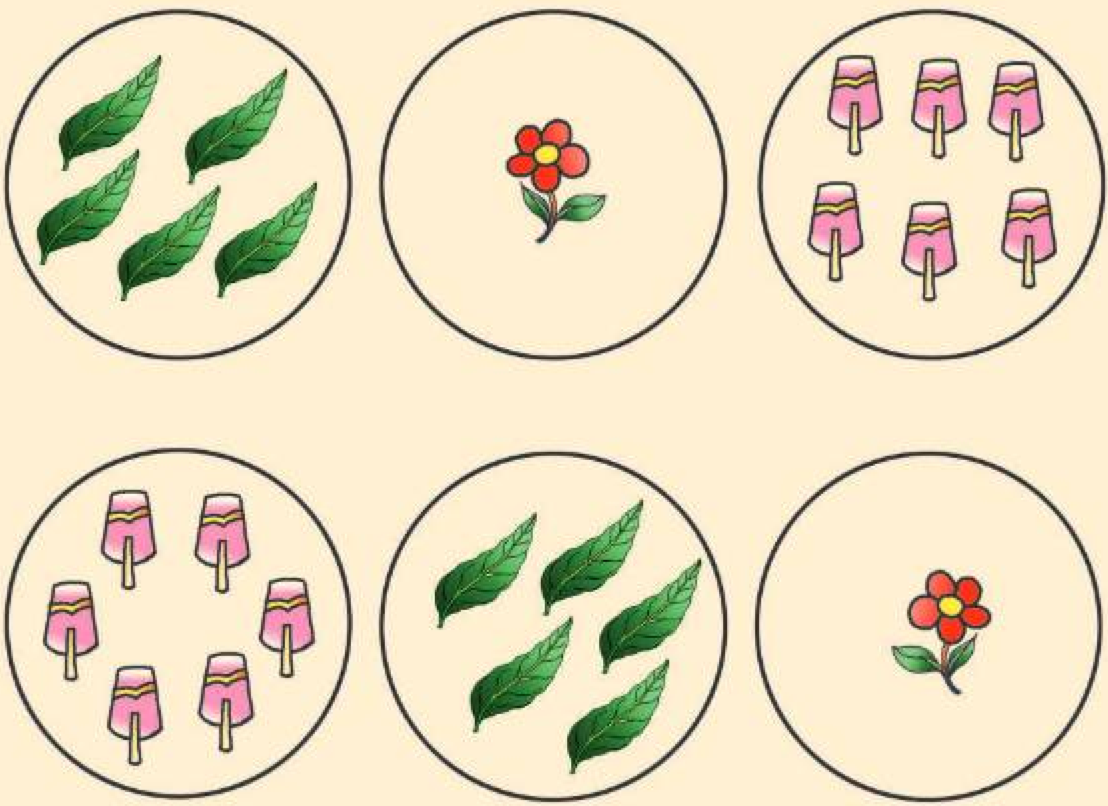

७. पाठ आठ के चित्र संख्या २ देख कर बताएँगे।

(क) बंदर के पास कौन बैठा है ?

(ख) कितने भोज खा रहे हैं ?

८. चित्र देख कर बक्से में लिखेंगे।

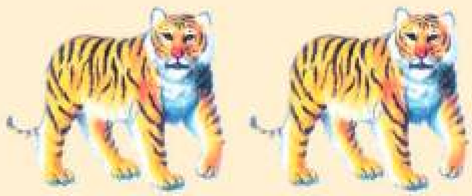

→ २ बाघ

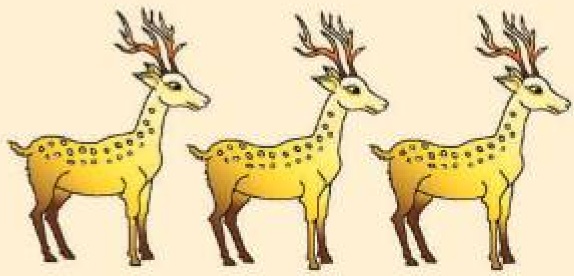

→ हिरन

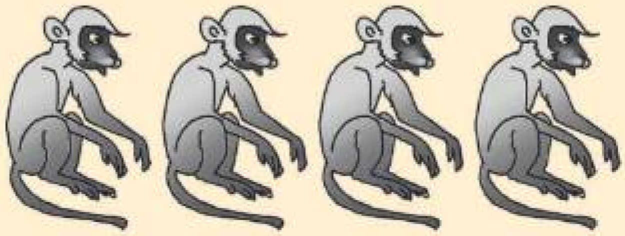

→ बंदर

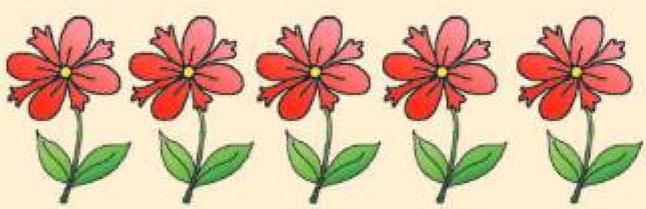

→ फूल

९. ६ डंड़ियों के चित्र बनाएँगे।

१०. चलो लिखते हैं।

ट ट

ल ल

ड ड

ट ट

ल ल

र र

शिक्षक और अभिभावकों के लिए सूचना

- शिक्षक कहानी को हावभाव के साथ आवश्यक चित्र दिखाकर बच्चों से कहेंगे। कहते समय पाठ में जो चित्र दिए गए हैं, उन पर भी बताएँगे। कहानी से पंक्ति, पंक्ति से शब्द, शब्द से अक्षर की पहचान कराएँगे।
- अभ्यास कार्य १ में जितने सवाल हैं, उसके अलावा कहानी पर ज्यादा प्रश्न बनाकर पूछेंगे।
- अभ्यास कार्य ५ में ' शून्य ' की अवधारणा के लिए मौखिक कार्य कराएँगे।
- अभ्यास कार्य ६ में वस्तु को लेकर समान (परिमाण) की धारणा समझाने के साथ रोजमर्रा जिंदगी की अनुभूति के साथ जोड़ना आवश्यक है।
- अभ्यास कार्य ७ की चर्चा करते समय कौन जानवर कहाँ बैठा है, किसके पास कौन बैठा है उसके बारे में बातचीत करेंगे।
- अभ्यास कार्य ९ के लिए स्लेट, कापी, शामपट आदि का इस्तेमाल होगा।
- यह पाठ कम से कम २५ पिरीयड़ चलेगा। इसमें ज, ड़, ड, ढ़, ढ, ध अक्षरों की पहचान, ट, ल को लिखना, समान संख्या की तुलना शून्य (०) की अवधारणा, जंगल के जानवरों के बारें में अवधारणा, अतिथियों के साथ बर्ताव करना आदि की दक्षता विकसित होना आवश्यक है।

पाठ-९

सपनी नाना का सपना देखना

जाड़े की रात है। सपनि नाना अपनी खटिया पर आराम से सो रहे थे। एक सपना देखा कि एक हाथी आसमान में उड़ रहा है। वह हाथी उड़ता हुआ आया और सोने के कमरे पर गिरा। वह घर चरमराता हुआ ढह गया।

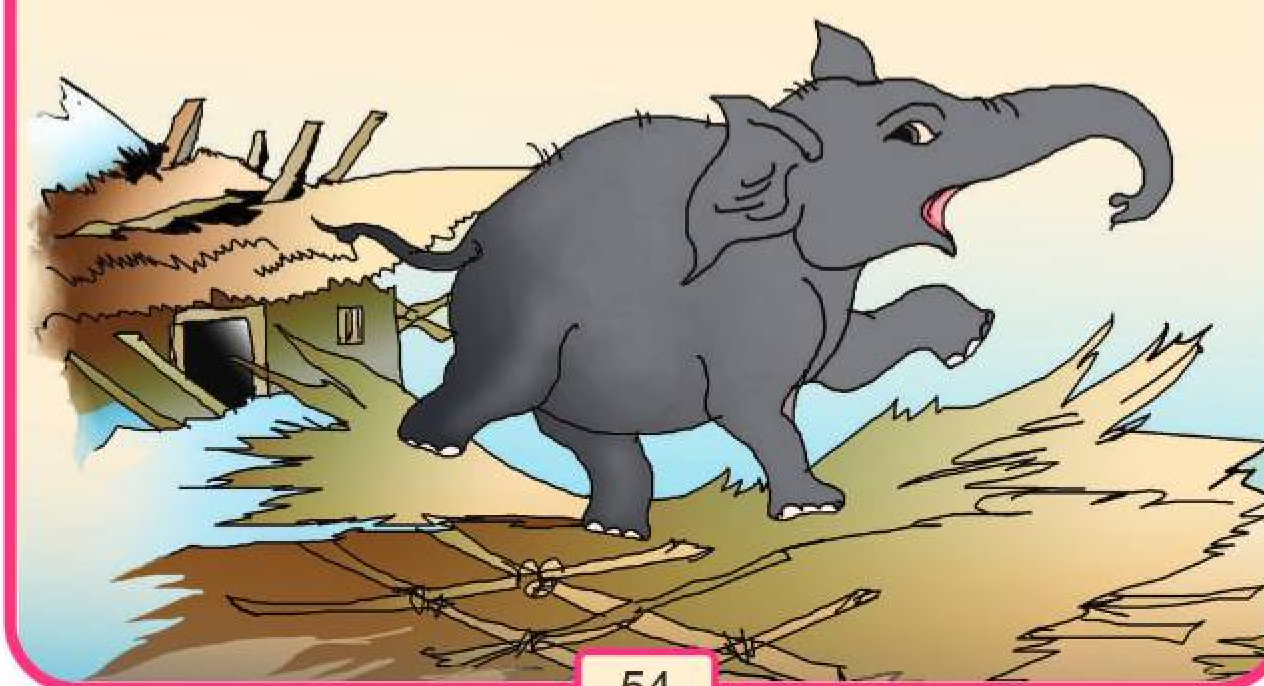

घड़ाम् से हाथी नाना के ऊपर आ गिरा। नाना उछल कर उठ खड़े हुए। देखा तो नाना खाट के नीचे लुढ़क गए थे।

अभ्यास

१. आओ पढ़ें।

हाट	शर	नव	जप	बरस
बाट	आग	छत	छाता	हरष
पाठ	साग	करत	धारा	सरस

२. आओ चित्र बनाएँ।

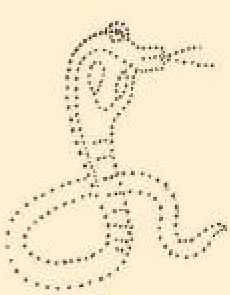
साँप

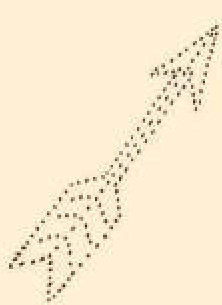
शर (बाण)

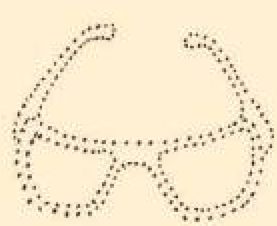
चशमा

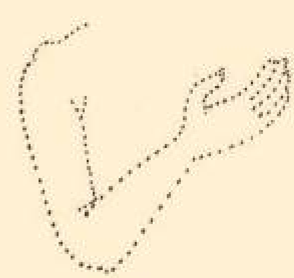
हाथ

३. पेड़ के नीचे लिखे गए अक्षरों को पेड़ के ऊपर वाले शब्दों में बराबर वाले अक्षर के साथ लकीर खींच कर जोड़ेंगे।

४. क) चित्र देखेंगे, उनके संबंधित ऋतु - चित्रों के साथ जोड़ेंगे।

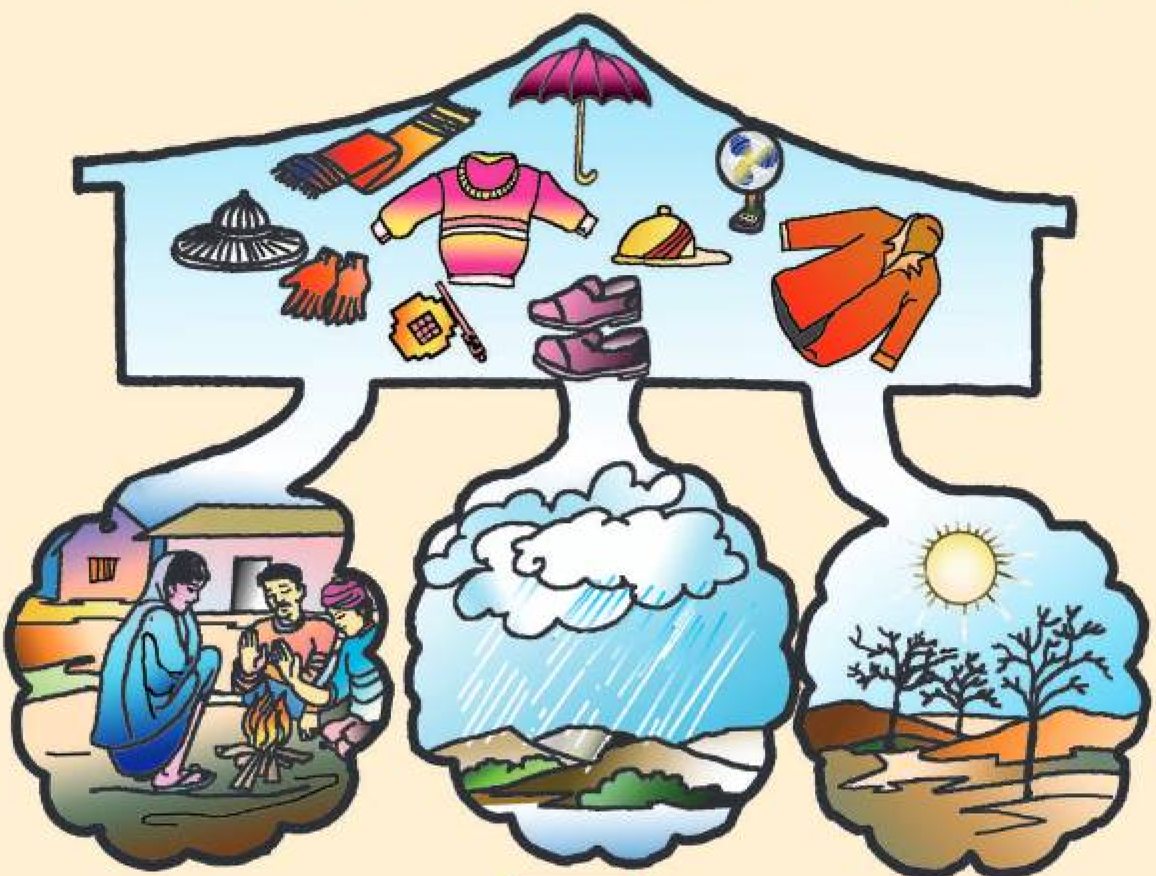

(ख) आओ बताएँ।

- हम गर्मी के दिनों में ढीली पोशाक क्यों पहनते हैं?
- जाड़े के दिनों में गर्म पोशाक की जरूरत क्यों पड़ती है?
- बरसात में छाता अथवा रेनकोट का इस्तेमाल न करें तो क्या दिक्कत होगी?

५. मिनी और कुना खेल रहे थे।

मिनी सीढ़ियाँ चढ़ी	१								९
कुना नीचे कितनी सीढ़ियाँ उतरा	९								१

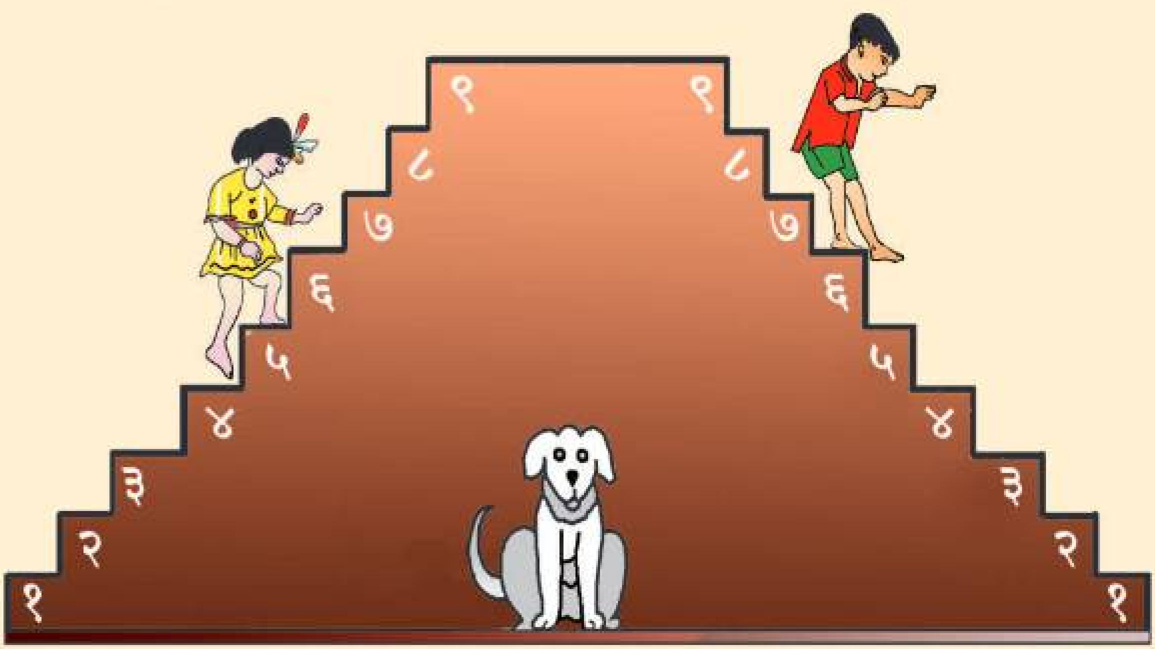

६. खाली स्थान में संख्या लिखेंगे।

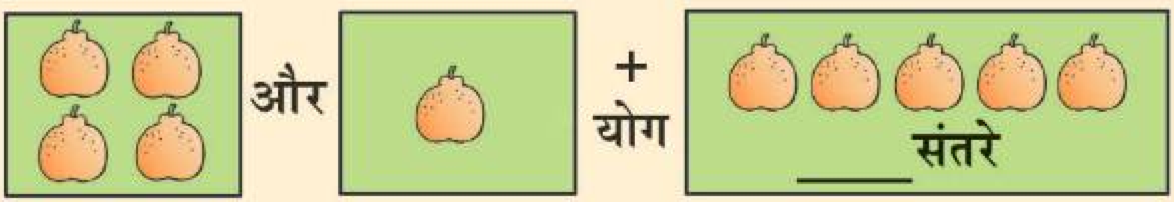

७. आओ हम गिनें।

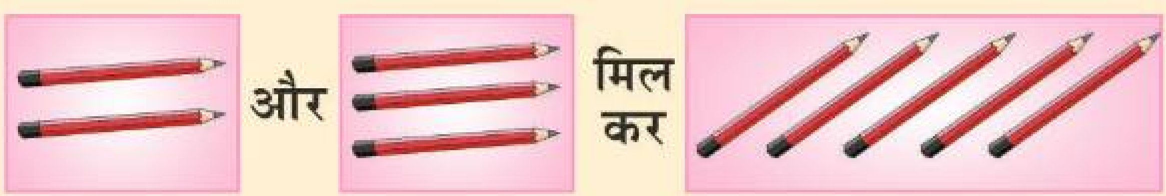

८. हम ऐसे लिखेंगे।

३ + २ = ५

२ + १ = ३

४ 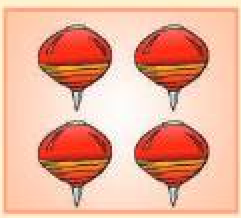 + २ = ६ 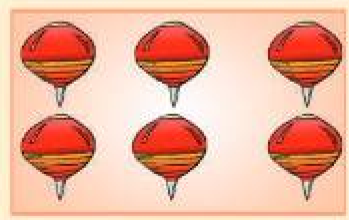

९. चित्र देख कर शब्द लिखेंगे और ऐसी तसवीर बनाएँगे।

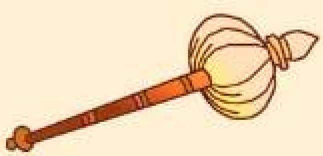 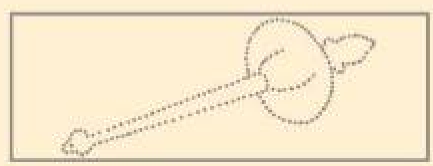

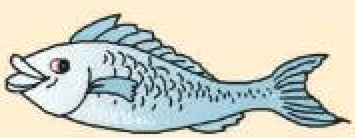 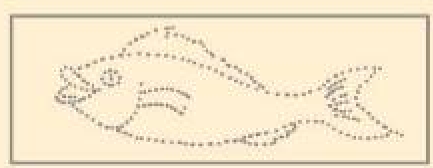

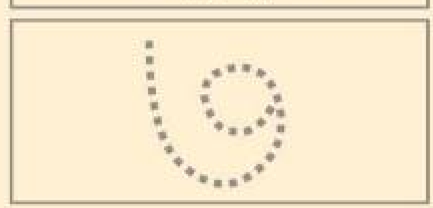

१०. पढ़ेंगे।

चॉक	वन	कल	नल	बॉल	छाता
चार	बाण	तारा	काला	नाला	पढ़ाई

पहाड़	बाहर	सराफ	चरखा	महान

नागराज	छलछल	टलटल	इतर
कहकहा	कलकल	महमह	जलधारा

११. चित्र को देखकर बताएँगे, पेड़ लगाने से क्या लाभ होता है?

१२. लिखेंगे।

गा य — गा

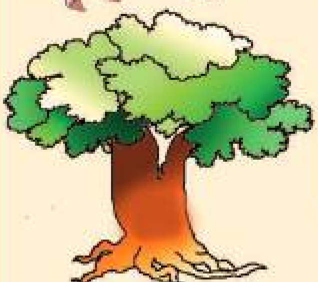

गा छ — छ

डा ल — ड

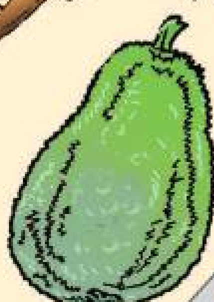

कट ह ल — ह

न ल — न

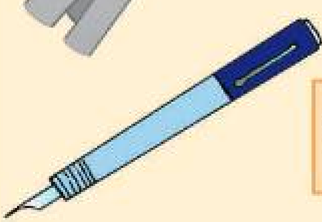

क ल म — ल

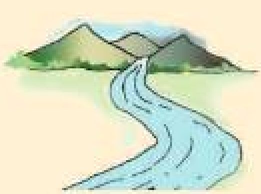

झ रना — झ

शिक्षक और अभिभावकों के लिए सूचना

- चित्र देखने के साथ शिक्षक और बच्चे मिलकर पाठ को दो-तीन बार पढ़ेंगे।
- पढ़ते समय श, स, ष, और ह का उच्चारण पर जोर देंगे।
- पहले की तरह सारी कहानी, अनुच्छेद, लाइन, वाक्य का अंश, शब्द (पद), अक्षर के क्रम से अक्षर की पहचान होगी।
- पुस्तक के अभ्यास काम के पहले कहानी के बारे में कुछ सवालों (प्रश्न) की मदद से बातचीत होगी। जैसे, जवाब में श, स, ष और ह का उच्चारण आएगा। जैसे-कौन ओढ़े हुए हैं। हाथी कहाँ उड़ रहा है। घर पर हाथी गिरा तो क्या हुआ ? आदि।
- इसके बाद कहानी और चित्र देखकर बच्चे भी कुछ सवाल शिक्षक से करेंगे और शिक्षक जवाब देंगे। (प्रत्येक बच्चा / बच्ची को सवाल करना और जवाब देना जरूरी है।)
- अभ्यास कार्य ८ और उस प्रकार के अधिक अभ्यास के बाद -

  ☐ + ☐ = ७

  ऐसे खुले उत्तरवाले प्रश्न का समाधान देना आवश्यक है।
- यह पाठ २० कालावाधि में पूरा होगा। इस पाठ से शिक्षार्थी स, श, ष, ह को पहचान सकना, पढ़ना, छ, त, ण, ळ, ल और झ लिखना, १ से ९ ऊपर से नीचे और नीचे से उपर गिनना, योगफल '९' के लिए दो संख्या का योग करना, '+' और '=' निशान का इस्तेमाल करना, ऋतु अनुसार विभिन्न पोशाकों का इस्तेमाल दिखाना आदि पर क्षमता का विकास होना आवश्यक है।

पाठ-१०

दीमक

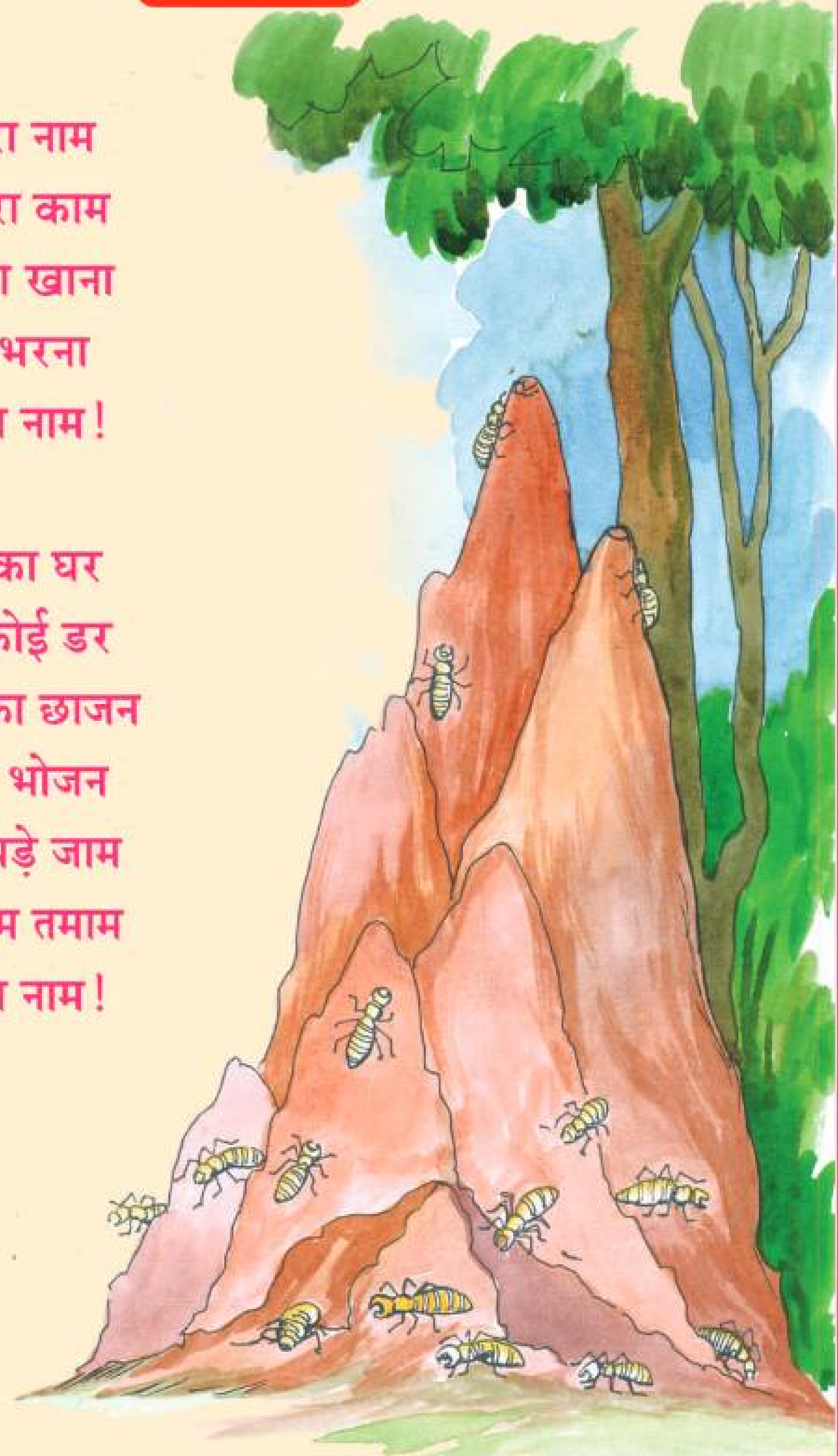

दीमक मेरा नाम
माटी में मेरा काम
लकड़ी मेरा खाना
खूब पेट भरना
दीमक मेरा नाम!

ईंट मिट्टी का घर
नहीं मुझे कोई डर
घास-फूस का छाजन
मेरा प्यारा भोजन
किताब कपड़े जाम
करूँ में काम तमाम
दीमक मेरा नाम!

अभ्यास

१. चित्र देख कर पढ़ेंगे।

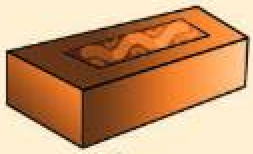

ईंट

दीमक

कौआ

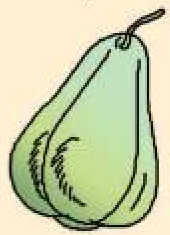

लौकी

घर

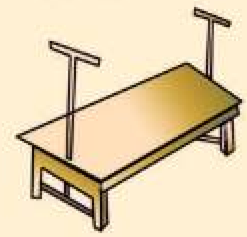

खाट

आँख

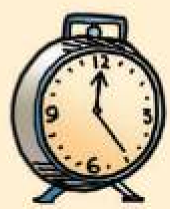

घड़ी

घंटी

२. 'इ' को 'इ' से जोड़ेंगे।

इस

इन

इधर

इशारा

इकतारा

इजहार

इकसठ

३. (क)

उ

छाते के ऊपर वाले बिन्दुओं से जोड़ कर कौन अक्षर मिला बताओ। नीचे के अक्षरों को उनके साथ जोड़कर पढ़ो।

(ख) 'ख' अक्षर वाले शब्दों को चूहे की पूँछ से जोड़ेंगे।

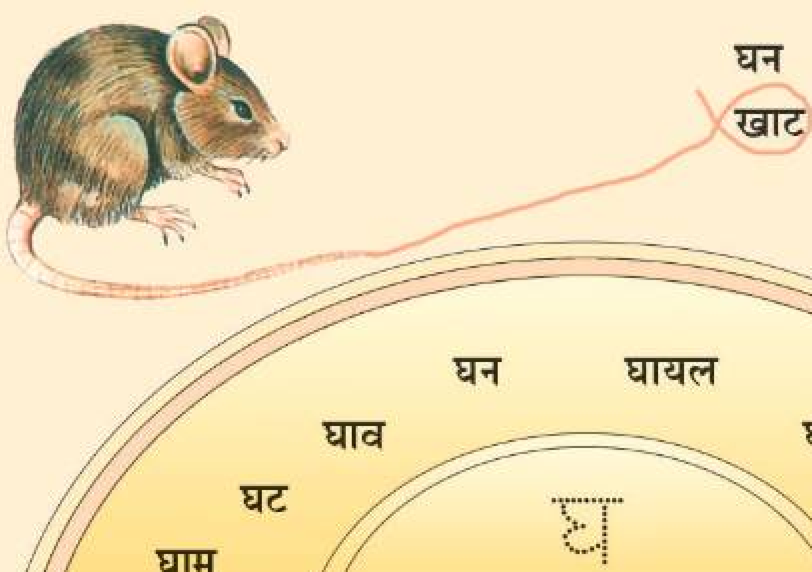

घन खाना खाल खास
खाट लाट खटाई पगहा

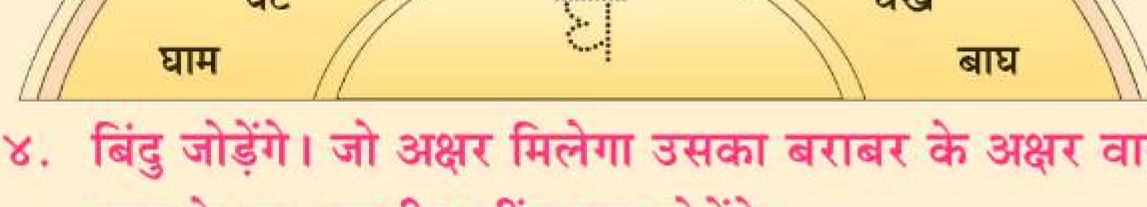

४. बिंदु जोड़ेंगे। जो अक्षर मिलेगा उसका बराबर के अक्षर वाले शब्द के साथ लकीर खींच कर जोड़ेंगे।

५. नीचे के चित्रों के नाम बताएँगे।

६. आओ गड़बड़ वाले अक्षरों को सजाएँ ।

टखा, टबा, घबा, खई, टाईं ।

७. आओ पढ़ें।

कौवा बोले काँव काँव
हनु भाई तुम खाओ खाओ
कोयल गाना गाओ गाओ
कजली तू आ आ ।

८. आओ अक्षर लगाकर पढ़ें।

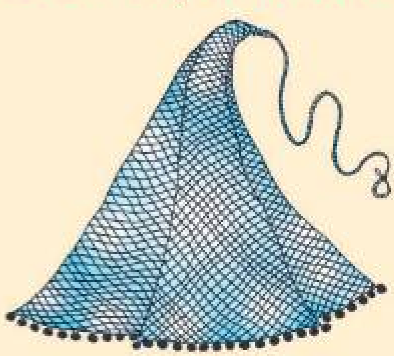

___ल

___र

९. (क) घेरे में जो चित्र है, उस में किसको अलग करेंगें ।

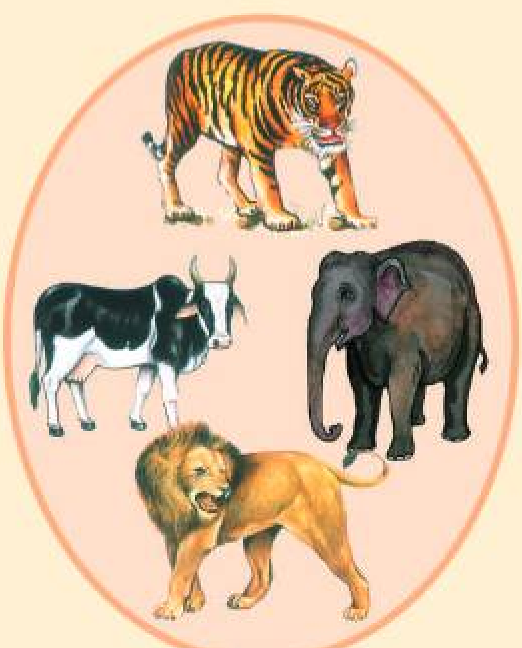

(ख) कौन पशु और पक्षियों को हम घरमें पालते हैं?

१०. (क) गाय कहाँ रहती है? गाय अपनी देह को कैसे साफ करती है? आओ समझें, कौन कहाँ रहता है और अपनी देह साफ करता है।

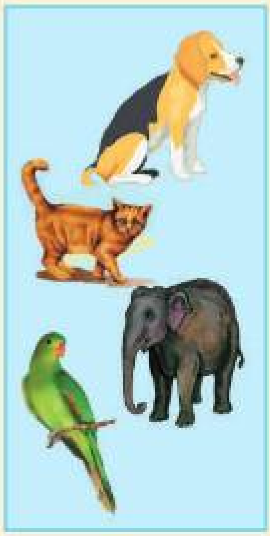

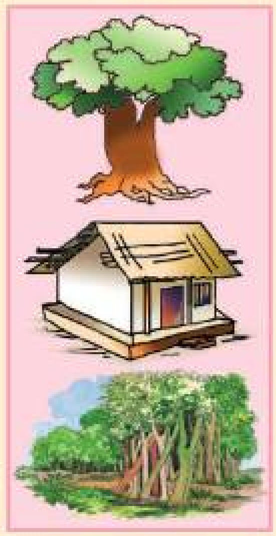

मुँह से या जीभ से
दाँतसे या नाखून से
सूँड़ या पूँछ से
चोंच से या झाड़कर

(ख) तुम सुबह उठ कर क्या-क्या करते हो?

(ग) सही काम के सामने (✓) और गलत काम के आगे (✗) निशान लगाओ।

- सुबह उठ कर आँख मुँह धोना
- खाने से पहले हाथ न धोना
- सवेरे दाँत साफ करना
- गर्म खाना खाना
- बासी खाना खाना
- चप्पल पहन कर पाखाना जाना

११. देखना और लिखना।

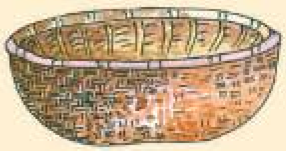
टोकरा

____बा

डाल

____व

जाल

____टा

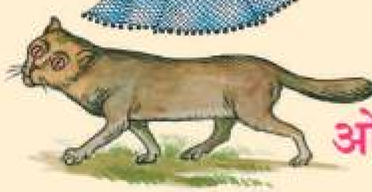
ओखल

ग____

१२. पढ़ना।

काई	लाई	राख	घन
जाल	काल	खाल	घर

चइत	भाउज	परख
रइत	मउज	अरख

बहुत - दूर है कनक का घर
झटपट चल झंझट मत कर

१३. बिंदुओं को जोड़ेंगे।

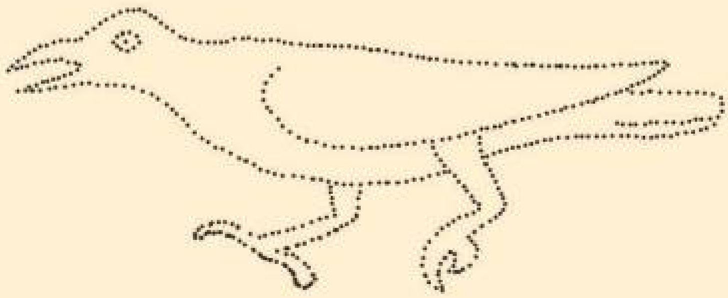

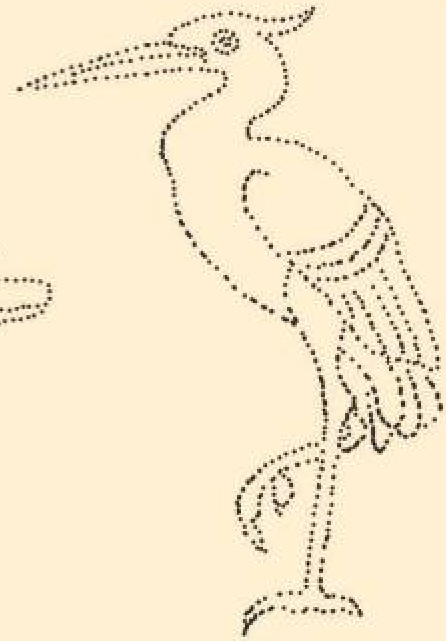

१४.(क) आओ हम जोड़ेंगे। जैसे

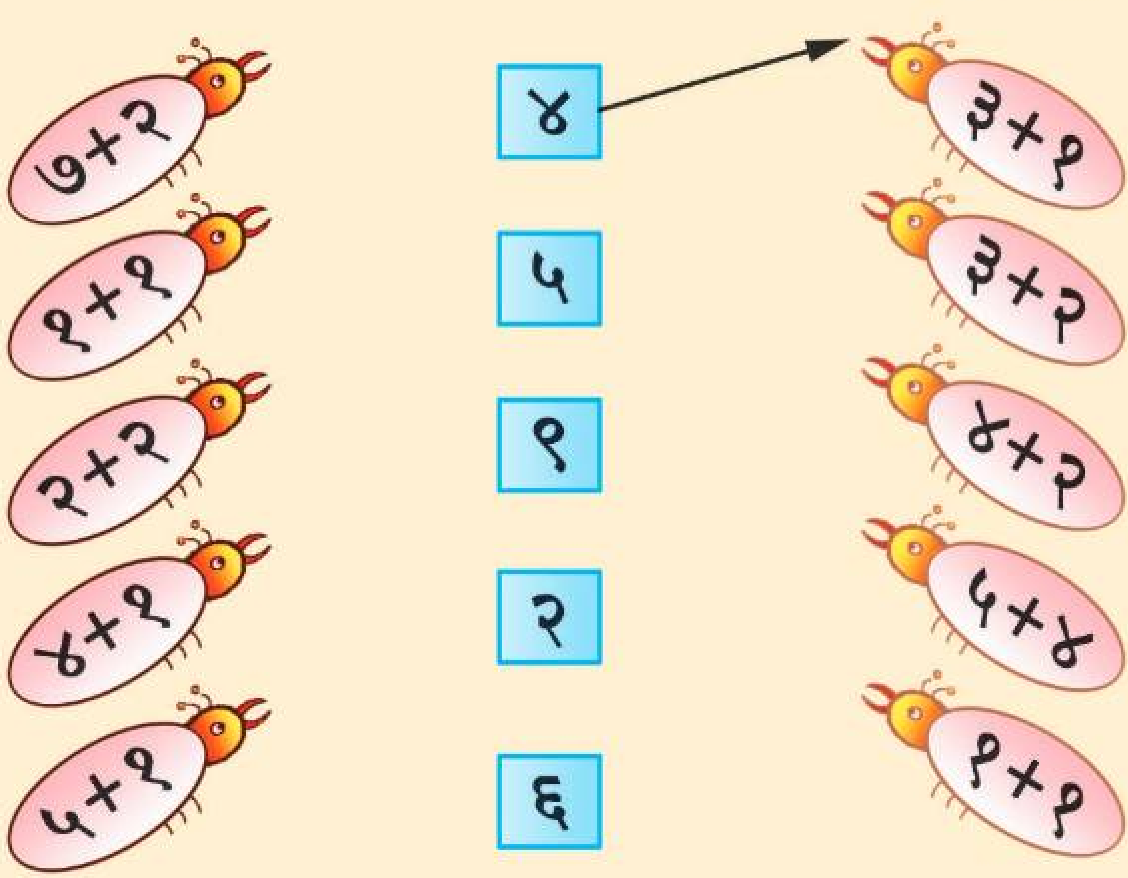

(ख) ऊपर के दीमक वाले चित्रों को गिनेंगे।

(ग) कितना कितना मिलकर ९ होगा।

शिक्षक और अभिभावकों के लिए सूचना

- पहले जैसे कहा गया है, इस पद्य को बच्चों के साथ आवृत्ति करें। पद्य से पद, पद से पंक्ति, पंक्ति से अक्षर की पहचान कराया जाए।
- अभ्यास कार्य २ से अधिक विन्दु - जोड़ने का काम कराना आवश्यक है।
- अभ्यास कार्य ९ में दूसरी तसवीर देकर अलग चीज को चुनने को कहा जा सकता है।
- अभ्यास कार्य १० 'ग' में और दूसरे काम करके गलत - सही की पहचान कराया जाएगा।
- अभ्यास कार्य १३ से अलग दूसरे पशु पक्षियों के चित्र दिखाकर बिंदुओं को जोड़ने को कहा जा सकता है।
- अभ्यास कार्य १४ के 'ग' के लिए बच्चे / बच्ची को मौका देना चाहिए।
- इस पाठ के लिए न्यूनतम २५ पीरियड़ लगेगा। इस में इ, उ, ख, घ अक्षरों की पहचान और पढ़ना, ड, ड़ न, ध का लेखन, चित्रांकन, २० तक गिनना, कम-ज्यादा, छोटा-बड़ा आदि की अवधारणा, दो संख्याओं का योगफल (९ के बीच), विभिन्न पशु-पक्षी, कीटपतंगों, की आवाज, पालतू पशु, जीवों, साफ-सफाई आदि विषयों पर आधारित क्षमता का विकास होना आवश्यक है।

पाठ-११

चीं चीं चीं चीं

चीं चीं चीं चीं चिड़िया
धान फैला था बढ़िया
चीं चीं करती चिड़िया।
पहरेदार था नटिआ
पटकी उसने लाठी
चिड़िया की टाँग टूटी।

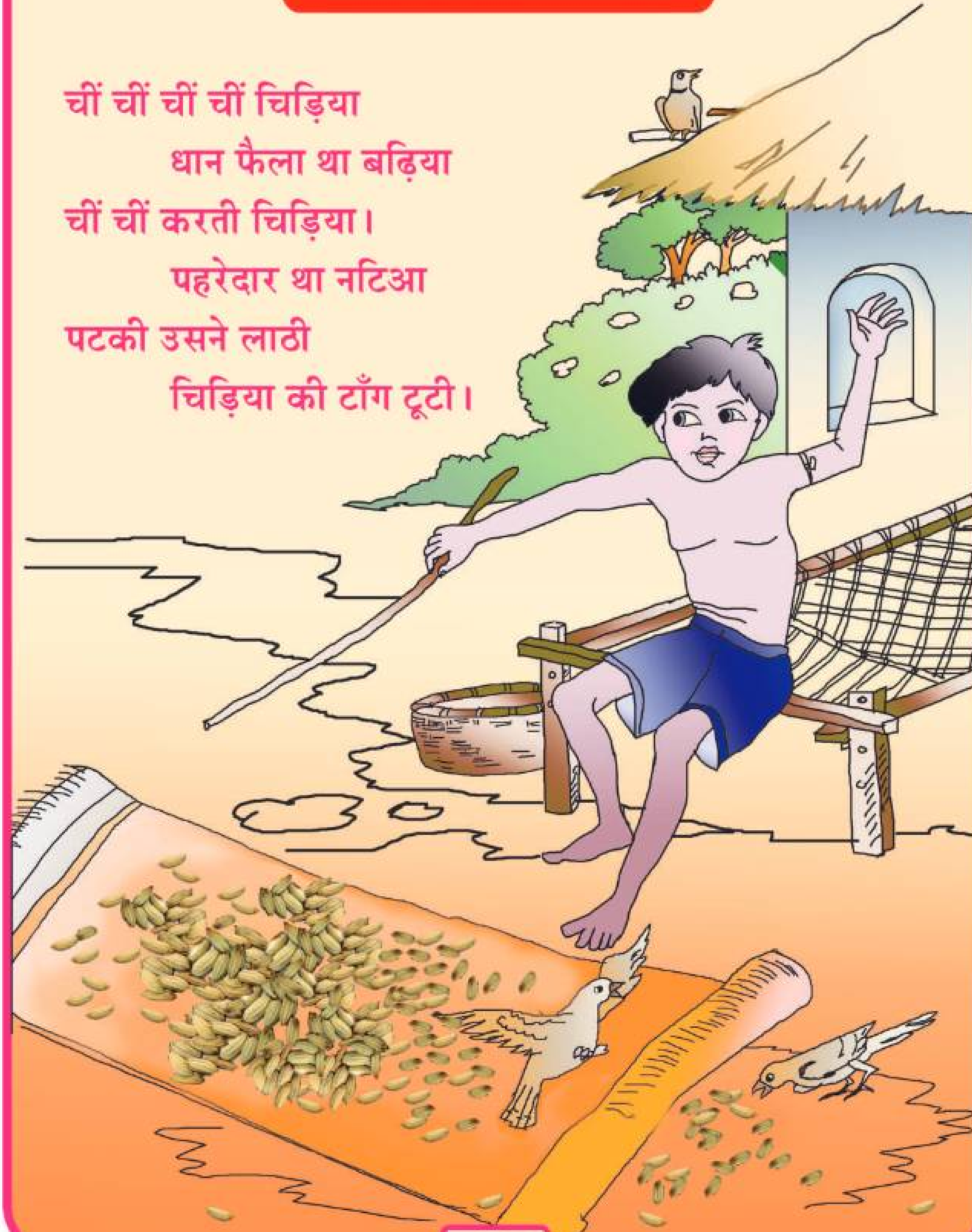

अभ्यास

१. दोनों तरफ के खिलौनों को बीच के घेरे में लिखे शब्द के साथ जोड़ेंगे।

छिपकली

बिल्ली

निकती

गिलास

हिरन

२. चित्र देखकर खाली स्थानों को भरेंगे।

चाक

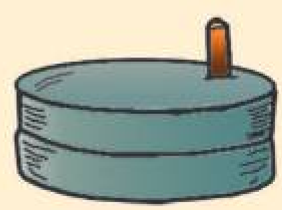 च____

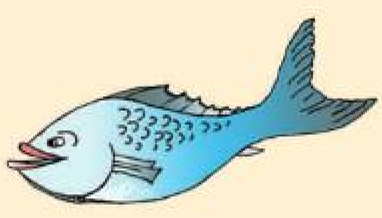 मछली

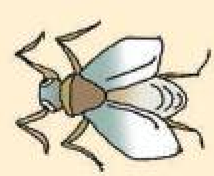 म____

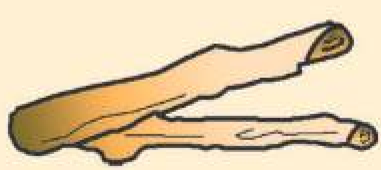 लकड़ी

ला____

३. 'मि' जैसे नीचे के अक्षरों में रंगीन कलम से 'ि' जोड़कर पढ़ेंगे।

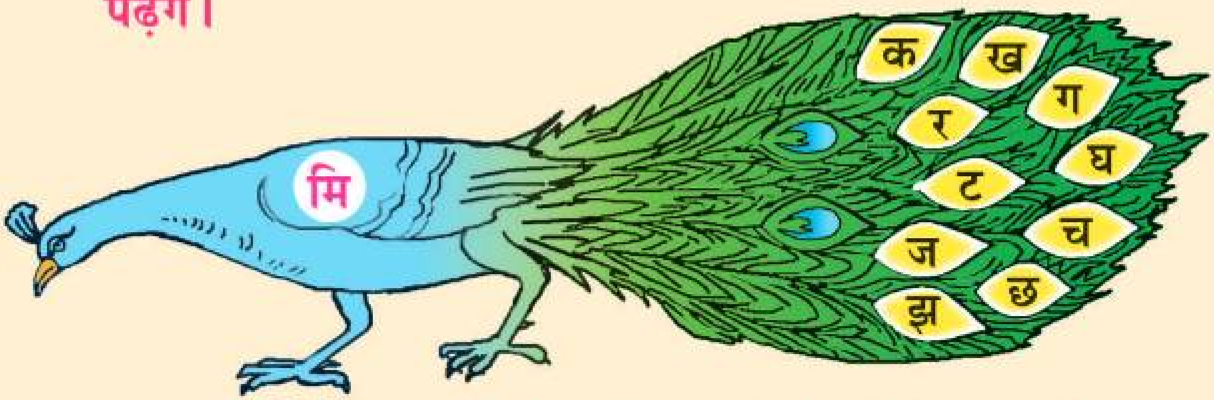

४. (क) नीचे के चित्रों के बीच में दी गई चीजों के नाम के साथ जिसका संबंध है, लकीर खींचकर जोड़ेंगे।

बैंगन
पियाज मकई
धान घास
गेहूँ

(ख) कुछ दूसरे सब्जीवाले पौधों का नाम बताएँगे।

५. ऐसे लिखेंगे।

११			१२		
११			१३		
११			१४		
११			१५		
११			१६		

६. नीचे दिए गए उदाहरण को देख कर खाली घेरों को भरेंगे और पढ़ेंगे। जैसे - लाली

ला	बा	खा	डा	गि	चि	ती
ली				नि		

७. गिनेंगे और कितना हुआ खाली घेरे में लिखेंगे।

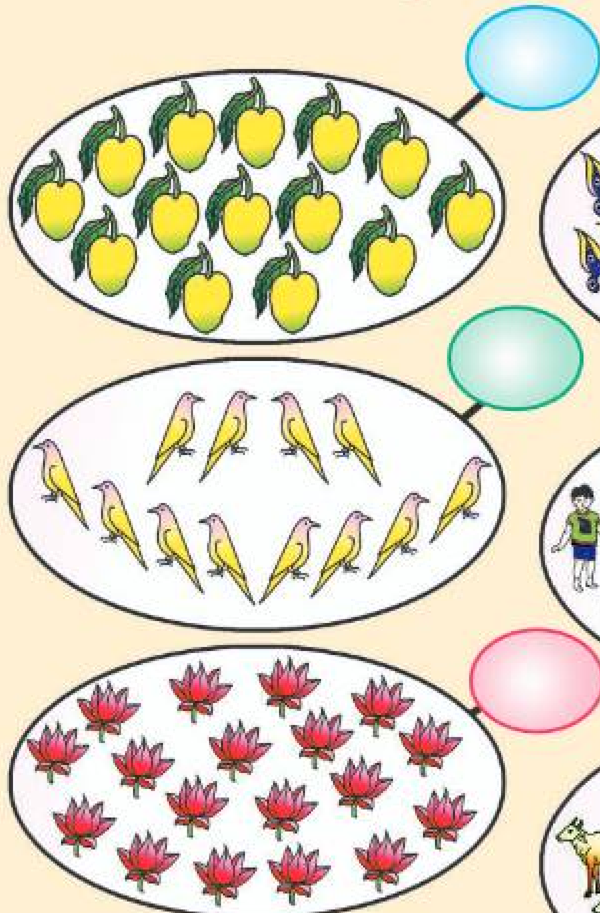

बताएँगे -

(क) कितनी चिड़ियाँ हैं?

(ख) कितनी दीमक हैं?

(ग) कितने बैल हैं?

(घ) कितने आम हैं?

(ङ) कितने तितलियाँ उड़ रही हैं?

(च) कितने लड़के हैं?

(छ) कितने फूल खिले हैं?

८. आओ चित्र बनाएँ ।

	८ बनाओ
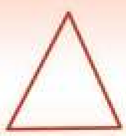	१० बनाओ
	१५ बनाओ

९. पाठ में जो गीत है, उसमे देखकर क्या होगा लिखेंगे।

न _____ आ   ब _____ या

प _____ की   चि _____ या

शिक्षक और अभिभावकों के लिए सूचना

- चित्र देखते हुए शिक्षक और बच्चे बच्चियाँ कविता की आवृत्ति करेंगे।
- पहले जैसे पंक्ति, लाइन, शब्द, अक्षर की पहचान कराएँगे।
- जिस बच्चे को सूचना समझने में दिक्कत होगी, शिक्षक मदद करेंगे ताकि बच्चा बिना किसी परेशानी के काम कर सके।
- हर बच्चे / बच्ची को काम करने का मौका मिले, इसे सुनिश्चित करना होगा।
- अभ्यास ४ (ख) और ७ के प्रश्नों को जरूर कराएँ।
- गाँव में क्या-क्या दूसरी सब्जी की खेती होती है, बच्चे घर से पूछ कर आएँगे और कक्षा में बताएँगे।
- यह पाठ २० कालावाधि का है। शिक्षर्थियों को ‘ ि’ की मात्रा पहचानना, ‘ ि’ मात्रा लगाकर शब्द लिखना, कविता की आवृत्ति, ११ से २० की गिनती और लेखन, विभिन्न अनाज और सब्जियों के पौधों की पहचान करना, चित्र बनाना आदि की क्षमता विकसित होना आवश्यक है।

पाठ-१२

दीपावली

दीपावली के दिन पिताजी ने डली और झिली को पास बुलाकर कहा - आज दिवाली है। हमारे घर में पास - पड़ोस के मेहमान आएँगे। बहुत भीड़ होगी। तुम दोनों जरा काम में मदद करो। इन मोमबत्तियों को ले जाओ। उनको सजाकर रखो।

मैं जितनी तादाद में माँगूँगा कौन जल्दी से गिन कर दे सकेगी ?

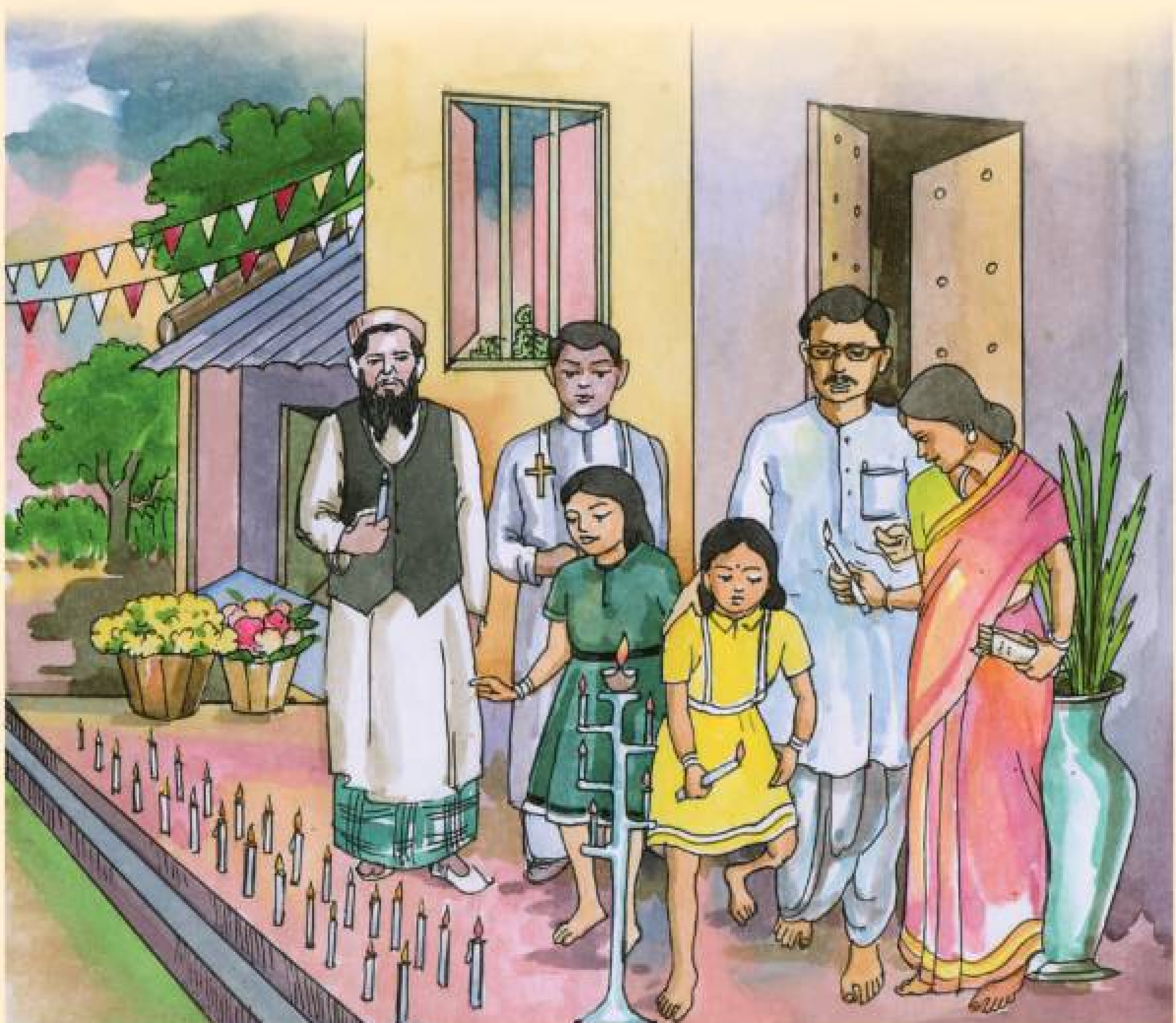

अभ्यास

१.

डली ने दिया	झिली ने दिया
७ - 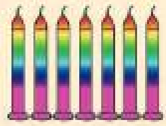	८ -
१५-	१३-
१७- 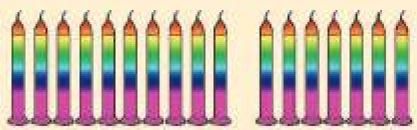	१४-
१८-	११- 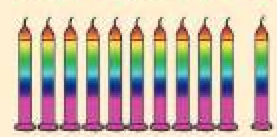

२. ऊपर जैसी तसवीरें बनी हैं, ठीक वैसे नीचे लिखी संख्या के पास चित्र बनाएँगे।

८	१४
९	१०
१३	७

३. बराबर की संख्या में मोमबत्ती लेकर उनका जोड़ या योगफल निकालेंगे।

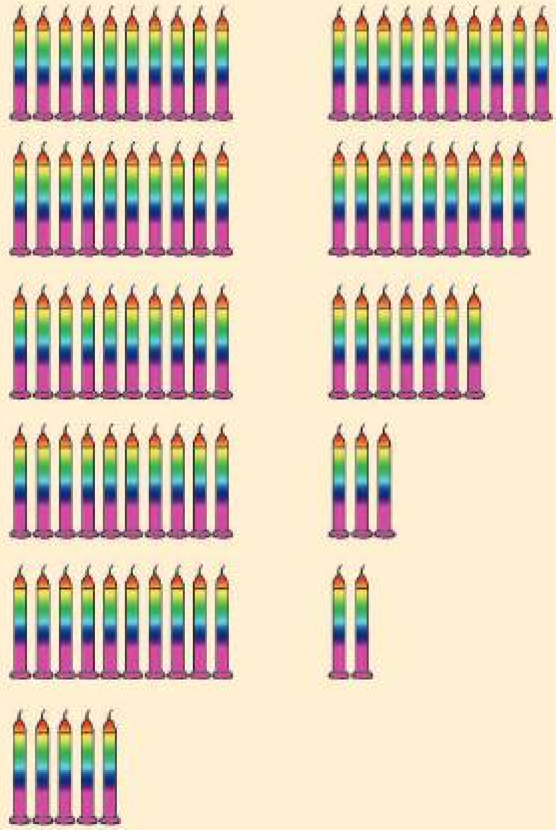

१३

५

१२

१७

१९

२०

४. नीचे की संख्याओं को लेकर खाली घेरे में आलू के चित्र बनाएँगे।

४	
८	
११	
१५	
१९	

५. बिल्ली ने टोकरी में जितनी मछलियाँ गिन कर रखी हैं, हम बाहर रखी मछलियों को गिन कर खाली घेरे को भरेंगे।

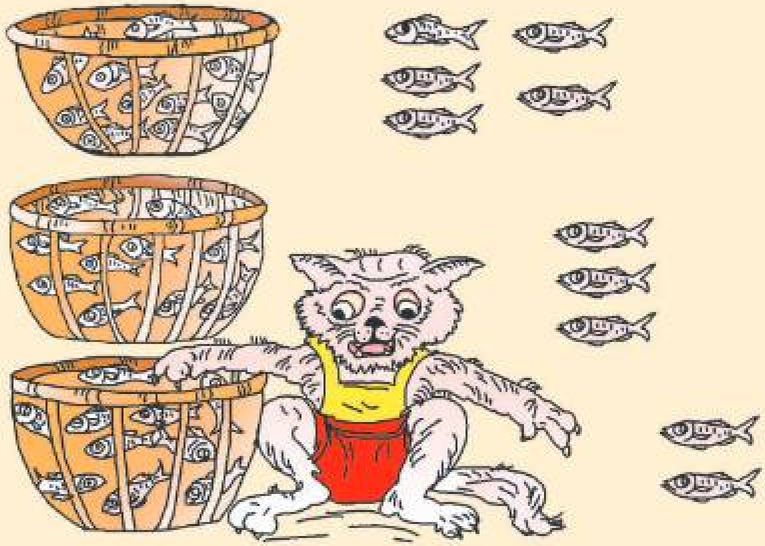

६. १० मंदार फूलों से एक माला बना कर बाकी कितने फूल बचे, बताएँगे।

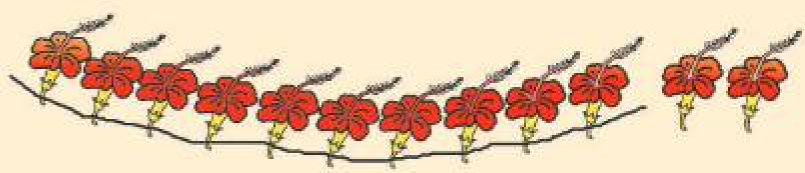

१२

१५

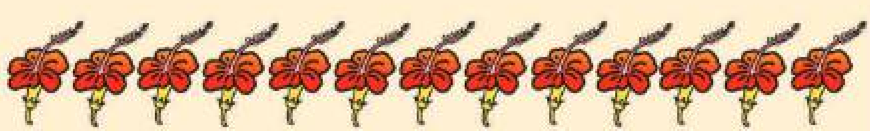

१३

१७

७. खाली जगहों को पूरा करेंगे।

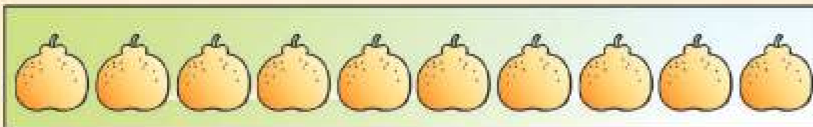	१ दस
	१ दस १ एक
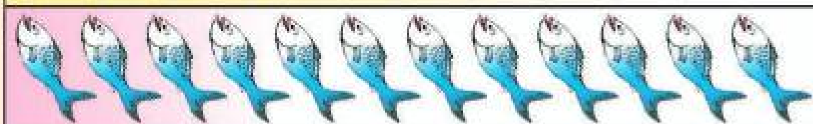	१ दस २ एक
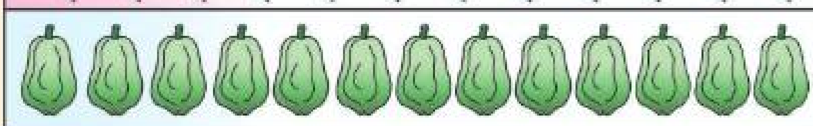	_ दस _ एक
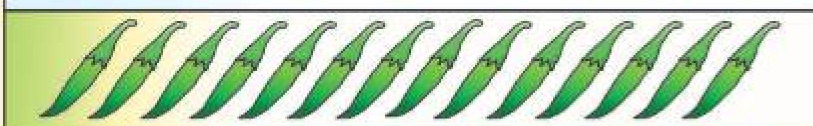	
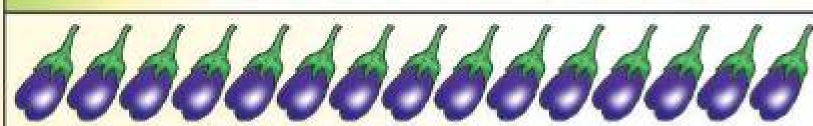	
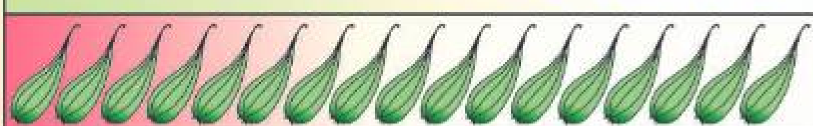	
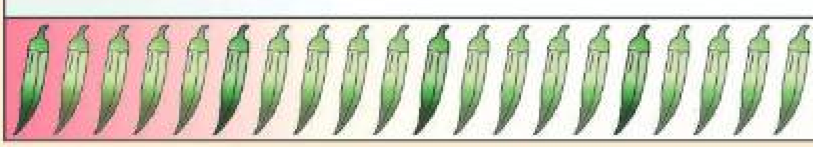	

८. (क) दीपावली में हम क्या-क्या करते हैं? कौन लोग हमारे घर आते हैं?

(ख) तुम्हारे यहाँ और क्या-क्या पर्व मनाया जाता है?

९. (क) आ मात्रा (ा) लगाकर खाली घेरे को भरेंगे। जैसे -

खत | खाता

तर | ____ | पप | ____ | मत | ____

(ख) आओ पढ़ें।

जटिया बोला आ आ
चिड़िया बोली ना ना
जटिया ने रखी थी लाई
चिड़िया उसको खा गई।

१०. जैसे ७ और ९ को जोड़ो तो बीच का घेरा ८ होता है। वैसे सभी खाली घेरों को भरेंगे।

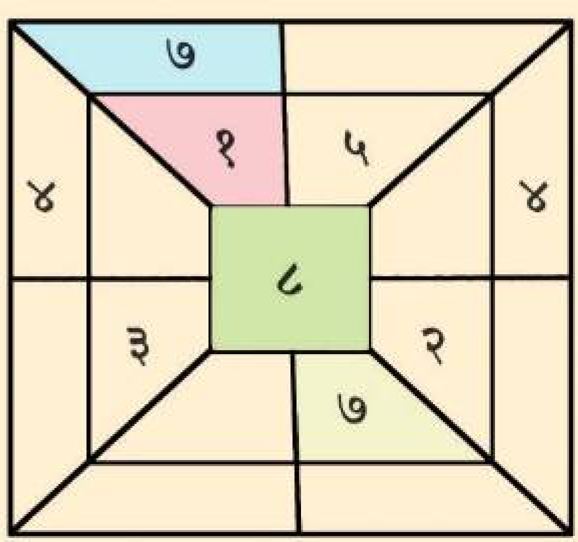

शिक्षक और अभिभावकों के लिए सूचना

- कहानी को २/ ३ बार पढ़ेंगे। जरूरत हो तो चित्र दिखाएँगे। चित्रों पर अच्छी तरह चर्चा करेंगे।
- अभ्यास कार्य १ और ३ के लिए वस्तुओं को लेकर दस की अवधारणा देना जरूरी है।
- अभ्यास कार्य ८ (क) और (ख) के लिए अपने-अपने अंचल में मनाए जानेवाले पर्व-त्योंहारों पर चर्चा होगी।
- चित्र देखें। कौन लोग आए हैं? दिवाली हम क्यों मनाते हैं आदि सवालों के जरिए चर्चा होगी।
- अभ्यास कार्य ९ के (ख) के लिए अपने अंचल में परिचित 'आ' मात्रा (ा) वाली कविता की आवृत्ति कराई जा सकती है।
- इस पाठ के लिए कम से कम १९ पिरीयड़ लगाएँ। इस पाठ में सरल आवृत्ति, 'आ' मात्रा (ा), 'आ' मात्रा लगाकर शब्द लिखना, दो अंकवाली संख्या गिनने का आसान तरीका, स्थानीय मान, ९ के भीतर योग, आंचलिक पर्व-त्योहारों के बारेमें धारणा, संचय करना, सजाकर रखना, जैसे विषयों पर आधारित क्षमता का विकास कराना आवश्यक है।

पाठ-१३

चालाक मुर्गा

मुर्गा और कुत्ता दोनों दोस्त हैं। दोनों में अच्छी पटती है। हँसी खेल में दिन बीत रहा था। एक दिन कुत्ता थक कर सो गया था। जंगल से एक सियार आया। उसे देखकर मुर्गा डर से काँपने लगा। सियार सोचने लगा - कैसे इस मुर्गे को खाऊँगा। पास जाकर बोला - " मुर्गा भाई, आओ दोस्ती करेंगे। हँसी-खुशी से दिन गुजारेंगे।"

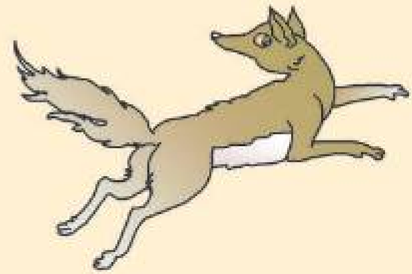

मुर्गा सियार की चालाकी समझ गया। बोला - " ठहरो, एक और दोस्त को बुलाता हूँ। बढ़िया मजा होगा " । मुर्गा बुलाने लगा। कुत्ता भौं-भौं करके दौड़ा आया। कुत्ते की आवाज सुनकर सियार का पसीना छूटने लगा। " हुवाँ हुवाँ " चिल्लाकर वह भाग खड़ा हुआ।

अभ्यास

१. चित्र देखकर पढ़ेंगे।

गयल

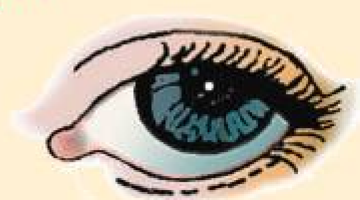
नयन

राष्ट्र ध्वज

भालू

काँवरिया

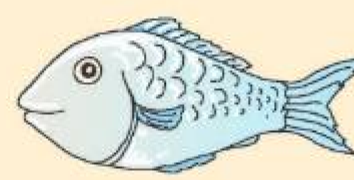
भाकुड़

२.

भाई शयन वयन भरत

भवन भार मलय

चयन बहन

गायक वय भरोसा

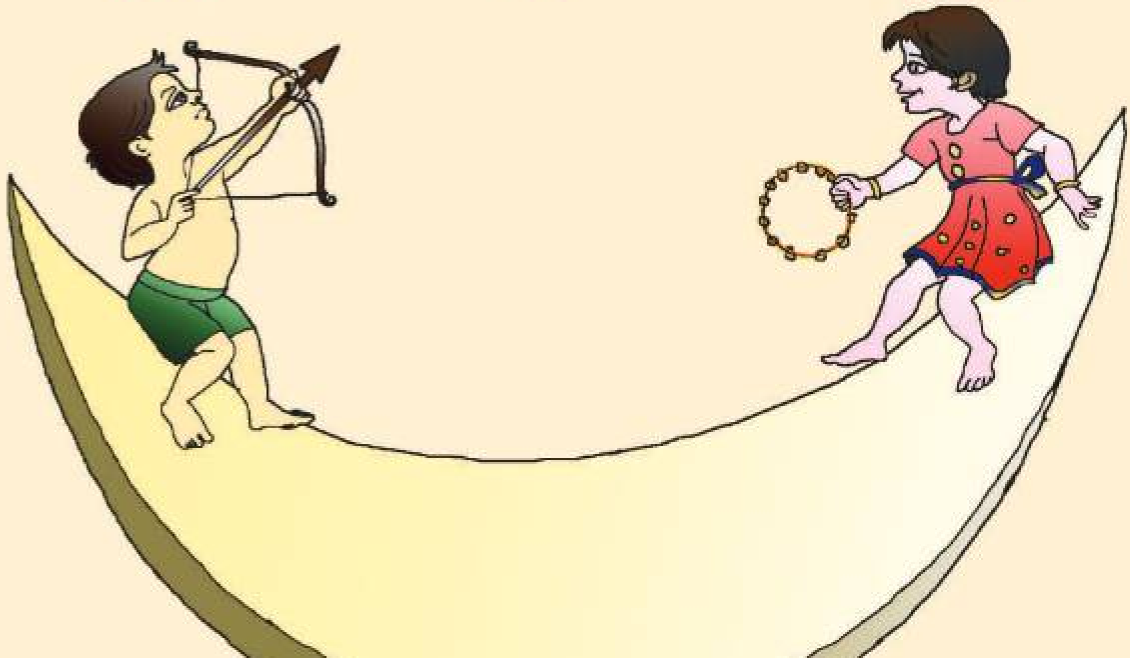

लड़का " य " अक्षर वाले तारे के पास बाण मारकर पहचान करेगा। बाण से एक लकीर खींच कर " य " वाले अक्षर को जोड़ेंगे।

लड़की " भ " अक्षर वाले तारे के पास चूड़ी फेंकेगी। उस अक्षर के चारों ओर ◯ बनाएँगे।

३. प्रश्न २ के चित्र देख कर लिखेंगे।

(क) बड़े तारे कितने हैं?

(ख) छोटे और मँझोले तारे मिलाकर कितने हैं?

(ग) " भ " अक्षर वाले तारे और खाली तारे मिलकर कितने हैं?

(ग) " य " अक्षर वाले तारे और खाली तारे कितने हैं?

बड़े तारे		+	छोटे तारे		=	
बड़े तारे		+	मँझोले तारे		=	
मँझोले तारे		+	बड़े तारे		=	

४. चित्र और शब्द मिला कर पढ़ेंगे।

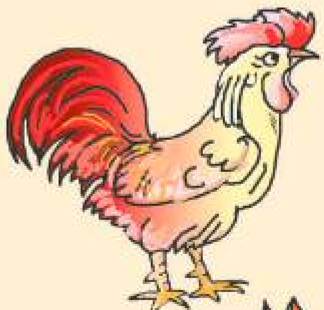 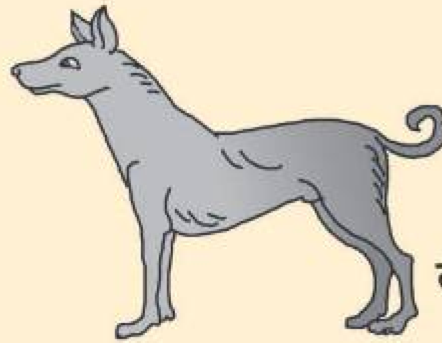 दोनों दोस्त हैं।

जंगल से 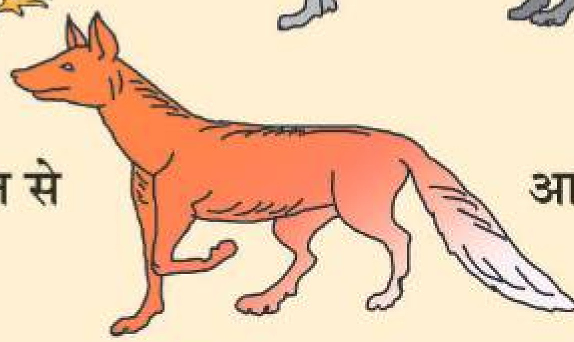 आया।

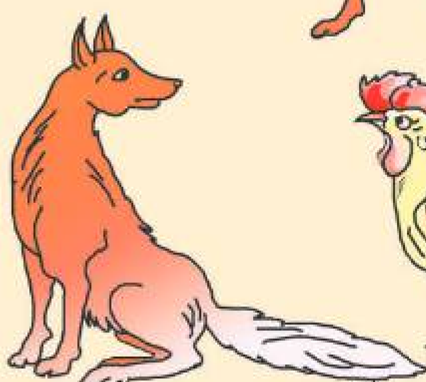 को खानेका मन बनाया ।

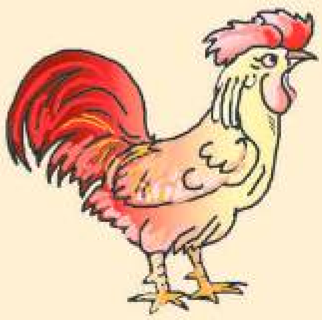 को बुलाया।

डरके मारे भागा।

५. लिखेंगे।

__________ और __________ दोनों दोस्त हैं।

जंगल से __________ आया।

__________ __________ को खाने का मन बनाया ।

__________ __________ को बुलाया ।

__________ डर कर भाग गया।

६.

डाकघर के पास क्या है?

विद्यालय से दूर क्या है?

डाकघर और मंदिर के बीच क्या है?

शिक्षक और अभिभावकों के लिए सूचना

- कहानी को पढ़ लेने के बाद (२/ ३ बार) किस-किस शब्द में भ, य, ज है उनको चुनने को कहा जाएगा।
- उसके बाद थक जाने पर कैसे सोते है, भयसे कैसे काँपते हैं इनका अभिनय करके दिखाने के लिए बच्चों को काम दिया जाएगा।
- मुर्गेने कुत्ते को कैसे बुलाया ? कुत्ता गुस्से में आकर कैसे भौंका ? सियार डर से कैसे चिल्लाया ? ऐसी आवाज निकालने को बच्चों को कहा जाएगा। ये दोनों काम हर बच्चे को करना चाहिए। (सभी बच्चे - एकसाथ करें तो अच्छा रहेगा)।
- १ से ५ काम करने के बाद अभ्यास ६ के काम में चित्र में डाकघर से दूर एक पेड़ का चित्र बनाने को और डाकघर के ऊपर एक राष्ट्र ध्वज आँकने के लिए बच्चों से कहा जाएगा। हर बच्चे को आँकना चाहिए।
- अभ्यास ६ में जो सवाल हैं, उसके साथ तुम्हारे बनाए पेड़ के पास क्या है बोलो। ऐसे पूछा जाएगा।
- बच्चों को अपने गाँव / मोहल्ले के सुबह का एक दृश्य आँकने को कहा जाएगा। हर बच्चा अपने चित्र के नीचे अपना नाम लिखेगा । सारे चित्र कक्षा में टाँग दिए जाएँगे।
- यह पाठ १९ पिरीयड़ में पूरा होगा। पाठ से शिक्षार्थियों को 'उ' और 'उ' मात्रा (ु), भ, य, पहचानना, पढ़ना, चित्र देखकर वाक्य पढ़ना। सरल वाक्य बनाना, १८ के भीतर योग करना, छोटा-बड़ा जानना, पास-दूर का अंदाजा लगाना और चित्र आँकने की दक्षता विकसित करना आवश्यक है।

हम अबतक

च, ट, म, र, ग, झ, क, न, प, आ, ठ, ब, ल, ळ, अ, ख, छ, ण, त, द, ज, ड, ढ, ध, श, ष, स, ह, इ, उ, घ, भ, य अक्षर सीख चुके।

हिन्दी वर्णमाला में हमारे सीखे अक्षर हैं -

अ, आ, इ, उ, क, ख, ग, घ, च, छ, ज, झ, ट, ठ, ड, ढ, ण, त, द, ध, न, प, ब, भ, म, य, र, ल, श, ष, स, ह - इस क्रम में हैं।

आओ शब्द खोज कर घेरा लगाएँगे।

जैसे - **गरम**

च	द	र	प	र
प	ट	च	ब	स
ल	ग	ह	न	र
अ	र	ट	श	स
र	म	ग	य	ल
ख	ब	र	न	ल

आओ याद करें

चित्रों को अच्छी तरह देख लो। फिर पुस्तक बंद कर दो।
अब याद करके कितने और क्या-क्या जानवर देखा, बताओ।

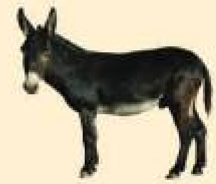

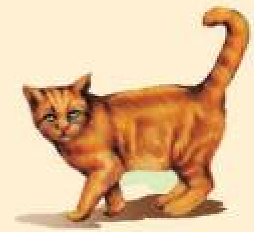

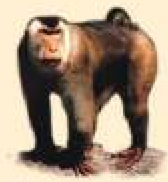

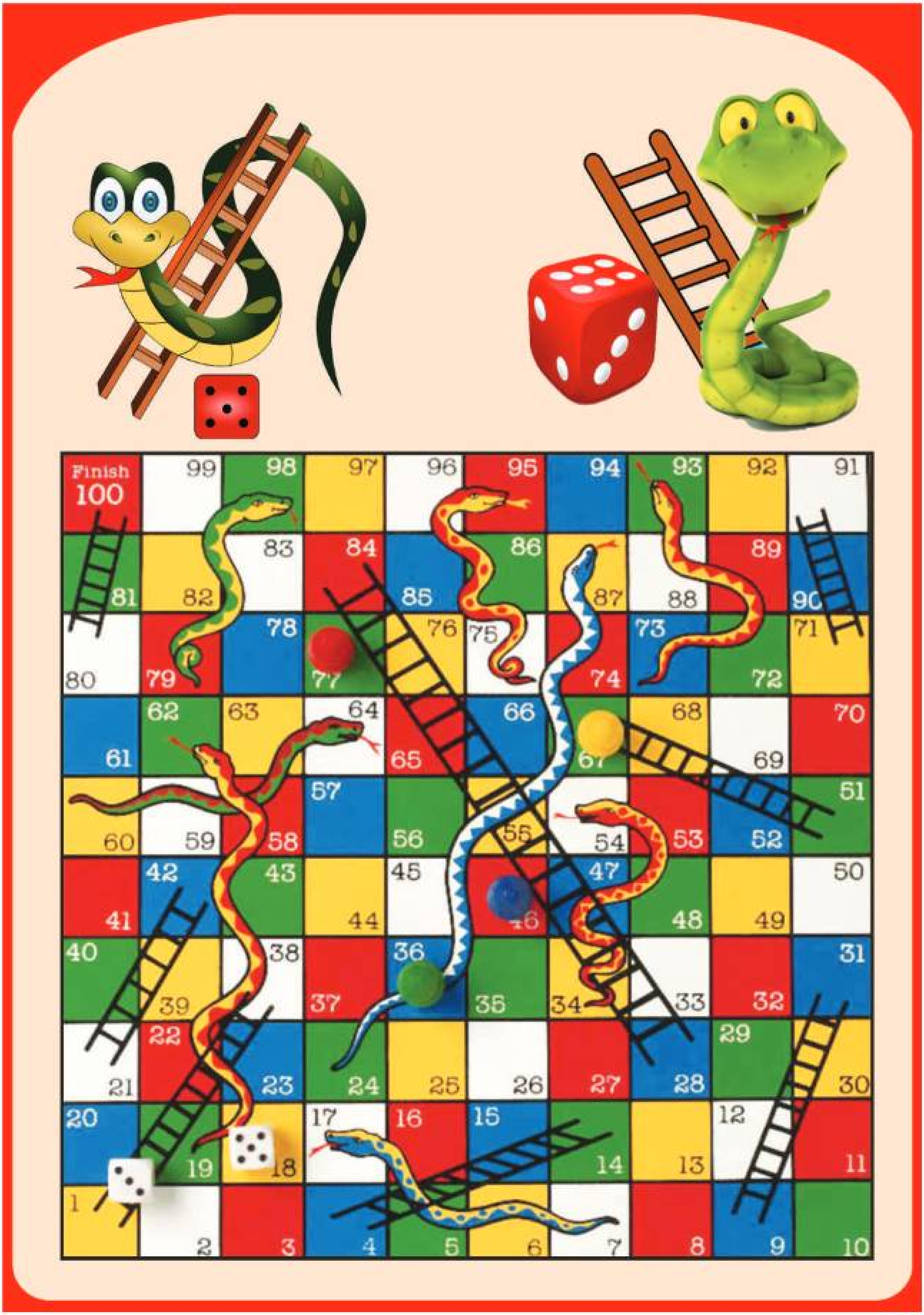
Finish 100
99 98 97 96 95 94 93 92 91
81 82 83 84 85 86 87 88 89 90
80 79 78 77 76 75 74 73 72 71
61 62 63 64 65 66 67 68 69 70
60 59 58 57 56 55 54 53 52 51
41 42 43 44 45 46 47 48 49 50
40 39 38 37 36 35 34 33 32 31
21 22 23 24 25 26 27 28 29 30
20 19 18 17 16 15 14 13 12 11
1 2 3 4 5 6 7 8 9 10

वन्दे उत्कल जननी

वन्दे उत्कल जननी...
चारू हासमयी चारु भाषमयी
जननी जननी जननी ।०।

वन्दे उत्कल जननी
पूत-पयोधि - विधौत - शरीरा।
ताल - तमाल - सुशोभित - तीरा
शुभ्र तटिनी कूल शीकर समीरा
जननी जननी जननी ।१।

घन घन वनभूमि राजित अंगे
नील भूधरमाला साजे तरंगे
कल कल मुखरित चारु विहंगे
जननी जननी जननी ।२।

सुन्दर - शालि - सुशोभित क्षेत्रा
ज्ञान - विज्ञान - प्रदर्शित - नेत्रा
योगी ऋषिगण - उटज - पवित्रा
जननी जननी जननी ।३।

आओ रंग भरें